दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित
सिर्फ सच...

● नई दिल्ली। रविवार 15 दिसंबर-2024 | ● वर्ष : 9 अंक : 356 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

कांग्रेस संविधान का करती रही शिकार: नरेंद्र मोदी

6 दशक में इसे 75 बार बदला

नई दिल्ली। संविधान के 75 साल पूरे होने के मौके पर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में संविधान पर बोले। प्रधानमंत्री ने कहा- अच्छा होता कि संविधान की शक्ति पर चर्चा होती। दलगत भावना से उबरकर संविधान पर चर्चा करते। लेकिन कुछ लोगों की मजबूरियां होती हैं। मैं बोलना नहीं चाहता था, लेकिन तथ्य रखना जरूरी है। पीएम बोले- कांग्रेस के एक परिवार ने संविधान को चोट पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

एक परिवार का उल्लेख इसलिए करता हूं कि 75 साल में से 55 साल एक ही परिवार ने राज किया है। देश को क्या-क्या हुआ है, ये जानने का अधिकार है। इस परिवार के कुविचार, कुरीति, कुनीति की परंपरा निरंतर चल रही है। हर स्तर पर इस परिवार ने संविधान को चुनौती दी है। 1971 में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया था। उस फैसले को संविधान बदलकर पलटा गया। उन्होंने हमारे देश की अदालत के पंख काट दिए थे। कहा था कि संसद संविधान के किसी भी आर्टिकल में जो मन आए कर सकती है और अदालत उसकी तरफ नहीं देख सकती है। ये पाप 1971 में इंदिरा गांधी ने किया था। पीएम बोले- भारत का नागरिक सर्वाधिक अभिनंदन का भागी है। संविधान निमार्ता इस बात पर बहुत सजग थे। ये वो नहीं मानते थे कि भारत का जन्म 1947 में हुआ। वे मानते थे कि यहां की महान परंपरा को हजारों साल की उस यात्रा के लिए वे सजग थे। भारत का लोकतंत्र, गणतांत्रिक अतीत समृद्ध रहा है, विश्व के लिए प्रेरक रहा है। तभी भारत मदर ऑफ डेमोक्रेसी के रूप में जाना जाता है। हम सिर्फ विशाल लोकतंत्र नहीं, हम लोकतंत्र की जननी हैं। राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन ने कहा था- सदियों के बाद हमारे देश में एक बार फिर ऐसी बैठक बुलाई गई है, ये हमारे मन में अपने गौरवशाली अतीत की याद दिलाती है।

जब हम स्वतंत्र हुआ करते थे, सभाओं में विद्वान देश के अहम मामलों पर चर्चा करते थे। डॉक्टर राधाकृष्णन ने कहा था- इस महान राष्ट्र के लिए गणतांत्रिक व्यवस्था नई नहीं है। हमारे यहां ये इतिहास की शुरूआत से ही है। बाबा साहब अंबेडकर ने कहा था- ऐसा नहीं है कि भारत को पता नहीं था कि लोकतंत्र क्या होता है।

जनप्रतिनिधियों की दखल के सवाल पर भगवा खेमे में सियासी चहल-पहल

उठ गया क्यो ये सवाल, क्या उन्होंने पहले कभी नहीं दी थी क्या किसी मामले में दखल

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा में महानगर अध्यक्ष पद ताजपोशी होनी है और यहां सहमति प्रमुख बिंदू है। ये आमतौर पर सभी सियासी दलों में परंपरा है कि संगठन में ताजपोशी के समय जनप्रतिनिधियों की संस्तुति भी अहम होती है, लेकिन भाजपा में ह्यदखलह्न शब्द को लेकर सियासी चहल-पहल सी हो गई है। शब्द संग्राम वाला सीन हो रहा है। कोई साधे कुछ नहीं कह रहा है, लेकिन वो अपने लहजों से इस मामले में उदासीन भी नहीं हो रहा है।

यहां सबसे पहले लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि महानगर अध्यक्ष या अन्य किसी संगठन की ताजपोशी में जनप्रतिनिधियों का कोई दखल नहीं होना चाहिए। उन्होंने संगठन की नियुक्ति को संगठन पर छोड़ा, लेकिन इसके बाद यहां शब्द वाला बाण पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर ने अपनी कमान से छोड़ा।

उन्होंने कहा कि महानगर अध्यक्ष जनता के बीच का होना चाहिए। वो ईमानदार होना चाहिए और महानगर अध्यक्ष किसी की जेब का नहीं होना चाहिए।

रमेश चंद तोमर के इस बयान के बाद अतुल गर्ग का बयान आया और उन्होंने पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर के बयान से सहमति जताई और कहा कि वो ठीक कह रहे हैं, लेकिन बात में ये भी जोड़ दिया कि मेरी बात में ही सारा सार छुपा है। इसके बाद मेयर सुनीता दयाल आगे आईं और उन्होंने कभी हां कभी ना के अंदाज में ये कहा कि पार्टी तो कह रही है कि जनप्रतिनिधियों की संस्तुति होनी चाहिए, ये भी ठीक है और किसी को जेबी नहीं होना चाहिए ये भी ठीक है। मगर कहानी में मोड शुक्रवार को आया। भाजपा की एक लॉबी महानगर अध्यक्ष वाले मुद्दे पर एक्टिव हुई।

इस लॉबी का ये कहना है कि जो लोग ये कह रहे हैं कि जनप्रतिनिधियों का दखल नहीं होना चाहिए उनसे भी इस बात का हलफनामा लिया जाना चाहिए कि क्या अब से पहले उन्होंने कभी संगठन की ताजपोशी में दखल नहीं दिया था। जनप्रतिनिधियों का दलख नहीं होना चाहिए ये नियम किसी एक जनप्रतिनिधि ने स्वयं अपने लिये बनाया है या फिर ये नियम पार्टी हाईकमान की ओर से आया है। फिलहाल इस हस्ताक्षेप को लेकर , इस संस्तुति को लेकर भाजपा के भीतर चर्चा का माहौल शुरू हो गया है। ये चचाएं बता रही हैं कि एक लॉबी चाहती है कि संस्तुति वाली मुहर लगनी ही चाहिए और इसी लॉबी का बहुमत भी दिखाई दे रहा है। ये लॉबी सवाल पूछ रही है और फिलहाल पार्टी फ्रेम में रहकर प्रेम से इस सवाल को उठाया जा रहा है।

मैं नहीं दूंगा दखल, लेकिन जनप्रतिनिधि करेंगे दखलअंदाजी: दिनेश गोयल

करंट क्राइम। भाजपा एमएलसी दिनेश गोयल महानगर अध्यक्ष की नियुक्ति से जुड़े सवाल पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों का दखल नहीं होना चाहिए, मैं इस बात से सहमत हूं, लेकिन जनप्रतिनिधि दखल नहीं करेंगे इस बात की गारंटी कौन लेगा। उन्होंने कहा कि मेरा भी यही मानना है कि संगठन के चुनाव में जनप्रतिनिधियों का कोई रोल नहीं होना चाहिए, लेकिन जनप्रतिनिधि जरूर दखलअंदाजी करेंगे। एमएलसी दिनेश गोयल ने कहा कि मैं महानगर अध्यक्ष वाली चयन प्रक्रिया में दखलअंदाजी नहीं करूंगा, लेकिन अन्य जनप्रतिनिधि दखलअंदाजी करेंगे।

कबाड़ में फैली आग और मिनटों में राख हो गई 18 झुग्गियां

दमकल विभाग ने 100 झुग्गी -झोपड़ियां जलने से बचाई

गाजियाबाद, करंट क्राइम । इंदिरापुरम थानाक्षेत्र अंतर्गत आने वाले कनवानी गांव में शनिवार करीब 12 बजे झुग्गियों- झोपड़ियां के पास बने कबाड़ के गोदाम में आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि चंद मिनट में 18 झुग्गियां आग में राख हो गई। इस दौरान दो बकरियां भी झुलस गई, हालांकि दमकल विभाग समय से पहुंचा और तीन गाड़ियों ने हौज पाइप लगाकर आग बुझाने का काम किया। जिससे लगभग 100 झुग्गी- झोपड़ियां जलने से बच गईं। साथ ही लाखों रुपए का सामान भी स्वाहा होने से बचा लिया गया। मुख्य अग्नि अधिकारी राहुल पाल ने बताया है कि अग्नि हादसे में वैशाली फायर स्टेशन, कोतवाली और साहिबाबाद की कुल सात गाड़ियों ने आग बुझाने का काम किया। आग लगने का शुरूआती कारण बच्चों द्वारा कबाड़ में आग लगाना बताए जा रहा है। इस दौरान राहत की बात यह रही की 100 से अधिक झुग्गियों को जलने से बचा लिया गया है।

रही राहत की बात, नहीं गई किसी की जान

करंट क्राइम । सीएफओ गाजियाबाद राहुल पाल ने बताया है कि आग बहुत तेजी से फैल रही थी। कबाड़ में प्लास्टिक और कपड़ा था, इसकी वजह से लपटे दूर तक फैल रहीं थी लेकिन दमकल की सात गाड़ियों ने कई चक्कर लगाते हुए घटनास्थल पर आग समय रहते बुझाई। जिस वजह से कोई जनहानि नहीं होने पाई है।

दिल्ली के बाद गाजियाबाद में भी अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं की तलाश

पुलिस ने मांगे कागजात

गाजियाबाद करंट क्राइम। दिल्ली के बाद यूपी के गाजियाबाद में भी कुछ संदिग्ध जगहों पर अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या लोगों की खोजबीन की गई है। गाजियाबाद पुलिस की टीम ने शनिवार को संदिग्ध जगहों पर जाकर लोगों के कागजात और पहचान पत्र की पड़ताल की। सनद रहे एक दिन पहले शुक्रवार को लोनी से भाजपा के विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने भोपुरा और कहां के मूल निवासी हैं। उल्लेखनीय है कि लोनी से भाजपा के विधायक नंदकिशोर गुर्जर शुक्रवार को भोपुरा मार्ग पहुंचे थे और झुग्गियों में रहने वाले संदिग्ध लोगों से दस्तावेज मांगे थे। उनका दावा है कि उन्हें क्षेत्र में अवैध रोहिंग्याओं और बांग्लादेशियों के होने की गुप्त सूचना मिली थी। उन्होंने कुछ झुग्गी वासियों के पास फर्जी आधार कार्ड होने का

मार्ग पहुंच कर झुग्गियों में रहने वाले लोगों के दस्तावेज देखे थे। विधायक ने झुग्गी में कुछ लोगों के पास फर्जी आधार कार्ड होने का दावा किया था। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने शनिवार को कुछ चुनिंदा झुग्गियों में संदिग्ध दिखने वाले लोगों से कागज मांगे और उनकी पड़ताल की। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि गाजियाबाद में संदिग्ध लोगों का पता लगाने के लिए टीमें एक्टिव हैं। संदिग्ध लोगों के बारे में जानकारी मिलने पर उनसे कागज मांगे जा रहे हैं और दस्तावेजों की छानबीन की जा रही है। संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है, जैसे कि वे कहां काम करते हैं भी दावा किया था। उन्होंने कहा था कि देश में 10 करोड़ से अधिक अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या अनाधिकृत रूप से रह रहे हैं। विधायक गुर्जर ने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले लोगों के दो-दो आधार कार्ड हैं। लोनी समेत कई इलाकों में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठिए बैठे हैं। इनमें रोहिंग्या भी शामिल हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि स्थानीय पुलिस कुछ नहीं कर रही। इन आरोपों के बाद दूसरे दिन शनिवार को पुलिस अधिकारियों ने संदिग्ध जगहों पर पहुंच कर लोगों से दस्तावेज मांगे और उनकी पड़ताल की।

किशोरी को भगा कर ले जाने वाला युसूफ 16 साल बाद गिरफ्तार

इतने वर्ष में युसूफ को पुलिस ने बनाया ईनामी बदमाश और युसूफ बन गया तीन बच्चों का बाप

एक प्रेमी बन गया 50 हजार का इनामी बदमाश, आरोपी युसूफ है बीएससी पास

गाजियाबाद, करंट क्राइम । पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में क्राइम ब्रांच की टीम ने एक 50 हजार रुपये के ईनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। फरार आरोपी 2008 से वंचित चल रहा था। क्राइम ब्रांच की टीम ने आरोपी को एक किशोरी को बहला फुसला कर ले जाने और अपहरण के मामले में गिरफ्तार किया है। पुलिस इस मामले में पहले पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है लेकिन मुख्य आरोपी युसूफ फरार चल रहा था। पुलिस ने बताया है कि युसूफ जिस लड़की को ट्यूशन दिया करता था, उसी से उसका प्रेम-प्रसंग हुआ और वह उसे लेकर फरार हो गया। गिरफ्तार युसूफ बीएससी की पढ़ाई किए हुए हैं और वह ट्यूशन पढ़ाकर अपनी आजीविका चलता था। वर्तमान में यूसुफ के तीन बच्चे भी हैं। युसूफ मूलरूप से नगीना जिला नूंह हरियाणा का रहने वाला है।

जब पुलिस ने किया गिरफ्तार, तो बोला माफ कर दो साहब

करंट क्राइम। पुलिस ने जब हरियाणा से यूसुफ को गिरफ्तार किया, तो उसने कहा कि वह अपनी प्रेमिका के प्रेमजाल में ही उसे लेकर गाजियाबाद से हरियाणा जाकर रहने लगा था। उसने किसी प्रकार का अपराध नहीं किया है। फिर पुलिस उसे क्यों सजा देने का काम कर रही है और गिरफ्तार कर रही है। कुल मिलाकर यह खुलासा पुलिस के लिए अहम है और पूरी कहानी एक प्रेमी से शुरू होकर 50 हजार के ईनामी बनने तक की भी है।

प्रेमिका के लिए तोड़ दिया था परिवार से संपर्क

करंट क्राइम। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार युसूफ जब किशोरी को अपने साथ भाग कर ले गया था, तो उसने अपने परिवार वालों से भी संपर्क छोड़ दिया था ताकि वह यह ना पता कर सकें कि वह कहां रहकर प्रेमिका के साथ अपना जीवन गुजार रहा है। पुलिस ने बताया है कि 2008 से ही युसूफ अपने परिवार के लोगों से संपर्क नहीं रखता था, जिस वजह से उसे तलाश करने में पुलिस को भी 16 साल का वक्त लग गया।

फरारी में हरियाणा के स्कूल में टीचिंग कर रहा था युसूफ

करंट क्राइम। एडीसीपी क्राइम सच्चिदानंद ने जानकारी दी है कि पुलिस फरार आरोपियों की जांच पड़ताल कर रही थी। इसमें युसूफ सैफी निवासी थाना मसूरी कस्बा गाजियाबाद और वर्तमान नगीना जिला हरियाणा के बारे में जानकारी मिली। पुलिस ने इसको सर्विलांस और सोशल मीडिया अकाउंट से लेकर इसके कई संपर्क वाले लोगों से बातचीत की। जिसके बाद यूसुफ के बारे में जानकारी मिली। यूसुफ ने बताया है कि वह 2004-5 में बीएससी की पढ़ाई पूरी कर चुका था। इसके बाद वह अपनी आजीविका चलाने के लिए गणित विषय के ट्यूशन देता था। वह मसूरी में एक किशोरी को गणित पढ़ाता था, उसके घर आते जाते यूसुफ का लड़की से प्रेम प्रसंग शुरू हो गया और फिर दोनों ने भाग कर शादी कर ली। वर्तमान में यूसुफ के तीन बच्चे भी हैं। पुलिस ने बताया है कि यूसुफ वर्ष 2008 से फरार चल रहा था। इसके बारे में किसी को कोई पता नहीं चलता था। मसूरी थाने में इसके खिलाफ वर्ष 2008 में ही मुकदमा पंजीकृत हो गया था। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी की है, वह वर्तमान में नूंह के एक निजी स्कूलों में टीचिंग का काम करता था।

संसद में राहुल गांधी पर भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर का पलटवार, बोले- कांग्रेस ने सिखों के गले काटे

नई दिल्ली। लोकसभा में संविधान को लेकर चल रही बहस के बीच विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा हिंदुस्तान के युवाओं का अंगूठा काट रही है। इसके जवाब में अनुराग ठाकुर बोले कि कांग्रेस के समय में सिखों के गले काटे गए। कांग्रेस शासनकाल में संविधान का गला घोंटा गया। लोकसभा में संविधान को लेकर चल रही बहस के बीच विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भाजपा पर हमला बोला। राहुल गांधी ने कहा कि जैसे द्रोणाचार्य ने एकलव्य का अंगूठा काटा, वैसे ही भाजपा हिंदुस्तान के युवाओं का अंगूठा काट रही है। राहुल गांधी के इस बयान का भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने पलटवार किया। अनुराग ठाकुर ने कहा कि ये अंगूठा काटने की बात करते हैं, लेकिन इनके समय में सिखों के गले काटे गए। ये संविधान जेब में लेकर घूमते हैं, लेकिन कभी इसका पालन नहीं किया। कांग्रेस शासनकाल में संविधान का गला घोंटा गया।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी यह भी नहीं बता पाए कि भारतीय संविधान में कुल कितने पन्ने हैं। ये जो किताब (संविधान) दिखाते हैं, इनको यह भी नहीं पता कि इस किताब में पन्ने कितने हैं। कभी राहुल जी इस किताब को खोलकर पढ़ तो लो। संविधान में लिखा है कि संविधान बनने के बाद से ही विधायिका और न्यायपालिका के बीच तनातनी रही। संविधान ने

ही देश को बचाया। अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी एक बार संविधान को पढ़कर देखें तो दिखेगा कि उनके परिवार ने कैसे इसकी धज्जियां उड़ाई हैं। इन्होंने संविधान को तार-तार किया। देश से माफी मांगिए। संविधान में कांग्रेस ने बार-बार संशोधन किया।

यह बोले राहुल गांधी

राहुल गांणी ने कहा कि जब आप अदाणी को धारावी का बिजनेस देते हैं तो आप धारावी के छोटे व्यापारियों का अंगूठा काटते हैं। जब आप बंदरगाह, एयरपोर्ट अदाणी को देते हैं तो जो लोग ईमानदारी से व्यापार करते हैं आप उनका अंगूठा काटते हैं। लेटेरल एंट्री देकर देश के युवाओं का अंगूठा काटते हैं। देश के युवा प्रतिस्पर्धी परीक्षा की तैयारी करते हैं। तो पेपर लीक कराकर आप उनका अंगूठा काटते हैं। देश के हजारों युवा सेना में जाने के लिए मेहनत करते थे, तो आपने अग्निवीर लाकर उनका अंगूठा काटा। किसान आपसे एमएसपी मांगते हैं, मगर आप अदाणी-अंबानी को फायदा पहुंचाते हो, तो आप किसानों का अंगूठा काटने का काम करते हैं। संविधान में कहीं नहीं लिखा कि एकाधिकार होना चाहिए, अग्निवीर होना चाहिए। संविधान में ये नहीं लिखा कि देश के युवाओं का अंगूठा काटना चाहिए।'

'50 फीसदी आरक्षण की दीवार हम तोड़ेंगे'

राहुल गांधी ने हाथरस दुष्कर्म का जिक्र कर पूछा कि 'ये संविधान में कहां लिखा है कि जो दुष्कर्म करता है, वो बाहर घूमें और जिसका दुष्कर्म हुआ है, उसके परिवार को बंद कर दिया जाए। ये आपकी किताब मनुस्मृति में लिखा है, संविधान में नहीं। हाथरस में संविधान नहीं मनुस्मृति लागू हो रही है। मैं पीड़ित परिवार से मिलने गया था, परिवार ने मुझे बताया कि यूपी सरकार ने उन्हें कहीं ओर रहने की जमीन देने का वादा किया था, लेकिन चार साल हो गए और आज तक उनका पुनर्वास नहीं हुआ है। वो आज बाहर निकलते हैं और जिन्होंने दुष्कर्म किया, वो उन्हें धमकाते हैं। अगर आप नहीं करेंगे तो, इंडी गठबंधन वाले लोग मिलकर उस परिवार का पुनर्वास करेंगे। हम देश के हर व्यक्ति से कहना चाहते हैं कि आपकी रक्षा संविधान करता है, लेकिन भाजपा के लोग संविधान पर हमला करते रहते हैं।' राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि 'आप एक धर्म को दूसरे धर्म से लड़ाते हैं। ये संविधान में कहां लिखा है? मुझे दिखाइए। हमारी विचारधारा, इंडी गठबंधन की विचारधारा, वो देश में संविधान की रक्षा करते हैं। आज ये बात सबके सामने है कि राजनीतिक समानता खत्म हो गई है। सामाजिक समानता, आर्थिक समानता नहीं रही। इसलिए हमारा अगला कदम जातीय जनगणना होगा।

तीसरी बार दिल्ली कूच, आंसू गैस के साथ चली वाटर कैनन...

चंडीगढ़। पंजाब के किसान फरवरी से अपनी मांगों को लेकर शंभू बॉर्डर पर बैठे हैं। दिसंबर में किसान दो बार दिल्ली कूच का प्रयास कर चुके हैं, लेकिन दोनों बार वे हरियाणा में घुस नहीं पाए थे। शनिवार को तीसरी बार किसान दिल्ली की तरफ बढ़े, लेकिन आंसू गैस और वाटर कैनन के हमलों ने उन्हें पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। पंजाब के किसान फरवरी से अपनी मांगों को लेकर शंभू बॉर्डर पर बैठे हैं। किसान दो बार दिल्ली कूच का प्रयास कर चुके हैं, लेकिन दोनों बार हरियाणा पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया था।शनिवार को फिर किसानों ने दोपहर 12 बजे दिल्ली की तरफ कूच किया।

किसान आगे जाने के लिए रास्ता मांगते रहे वहीं पुलिस का कहना था कि किसान दिल्ली जाने की अनुमति दिखाएं और आगे जाएं। पुलिस का कहना था कि यदि किसानों के पास अनुमति है तो वे खुद उन्हें दिल्ली तक छोड़कर आएंगे। इसके बाद किसानों की तरफ से बैरिकेडिंग तोड़ने का प्रयास किया गया। जिसके बाद पुलिस ने किसानों पर वाटर

कैनन का प्रयोग किया। इसके अलावा आंसू गैस के गोले छोड़े गए। पुलिस की कार्रवाई से किसानों में भगदड़ मच गई। किसान कड़ाके की ठंड में ठंडे पानी से बचने के लिए इधर उधर भागने लगे।

किसानों का आरोप है कि एक्सपायरी डेट के आंसू गैस के गोले छोड़े जा रहे हैं। इससे किसानों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने आरोप लगाया कि पुलिस की तरफ से गंदा पानी फेंका जा रहा है। केमिकल वाला स्प्रे किया जा रहा है। किसानों पर पुलिस ने ड्रोन से भी आंसू गैस के गोले छोड़े। करीब दो घंटे की कशमकश के बाद किसानों का जत्था वापस लौट गया। अब किसान नेता प्रेस कांफ्रेंस कर अगली रणनीति की जानकारी देंगे। किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने कहा कि हम चाहते हैं कि देशभर के किसान अपनी आवाज उठाएं, अगर वो ऐसा करेंगे तो आंसू गैस समेत ये सारी चीजें बंद कर दी जाएंगी और हमें दिल्ली जाने दिया जाएगा और हमारी मांगें पूरी की जाएंगी। हरियाणा पुलिस जनता को गुमराह कर रही है। 100 लोगों का पैदल चलना देश के लिए खतरनाक कैसे हो सकता है?

सिख गुरुओं का त्याग और बलिदान प्रेरणा का स्रोत है : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। सिख धर्म के नवम गुरु तेग बहादुर जी की शहीदी का 350वां वर्ष पूरे प्रदेश में मनाया जाएगा। एक वर्ष तक चलने वाले इस आयोजन का शुभारंभ 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के विशेष अवसर पर लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री आवास से होगा, जिसका प्रदेश के सभी गुरुद्वारों में सीधा प्रसारण भी किया जाएगा। इसका समापन अगले वर्ष भव्य समारोह के साथ होगा। शनिवार को एक विशेष बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश और धर्म की स्थापना के लिए सिख गुरुओं का बलिदान अनुकरणीय है, इसलिए सिख गुरुओं के त्योहारों को पूरे प्रदेश में परंपरागत तौर पर उल्लास के साथ मनाया जाए।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि आगामी सत्र से सिख गुरुओं के त्याग और बलिदान की अमर गाथा को

स्कूली पाठ्यक्रमों का हिस्सा बनाया जाएगा। यही नहीं, मुख्यमंत्री के निर्देश पर गुरु तेग बहादुर के जीवनवृत्त पर आधारित पुस्तक भी तैयार की जाएगी। इस विशेष अवसर पर 11,000 सहज पाठ का महायज्ञ भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी ने निर्देश दिए कि पूरे प्रदेश में वीर बाल दिवस का विशेष समारोह मनाया जाएगा। गुरु ग्रंथ साहब का पाठ हो, इस कार्यक्रम में सभी ग्रंथियों को भी आमंत्रित किया जाए। सभी जनपदों के सभी गुरुद्वारों में होने वाले इस आयोजन में सांसद, महापौर, विधायक, विधान परिषद सदस्य समेत जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों को भी आमंत्रित किया जाए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सभी सिख गुरु हमारे प्रेरणास्रोत हैं। इनकी जीवनी और बलिदान को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाएं। इनसे जुड़े विषयों पर कविता, निबंध और वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित किए जाएं। इसके अलावा विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया जाए।

कानून व्यवस्था के मुद्दे को लेकर केजरीवाल ने गृह मंत्री अमित शाह को लिखी चिट्ठी, मांगा मिलने का समय

दिल्ली। अरविंद केजरीवाल ने चिट्ठी में लिखा कि दिल्ली की कानून व्यवस्था केंद्र सरकार के अधीन है। भारत के 19 मेट्रो शहरों में दिल्ली महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराध में नंबर वन पर, साथ ही हत्या के मामलों में दिल्ली नंबर वन पर है। दिल्ली को अब अपराध की राजधानी के नाम से जाना जा रहा है। मैं पूरी दिल्ली में लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हूं। दिल्ली में कानून व्यवस्था के मुद्दे को लेकर पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखी है। केजरीवाल ने कानून व्यवस्था पर चर्चा के लिए अमित शाह से मिलने का समय मांगा है। चिट्ठी में केजरीवाल ने दिल्ली की सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर की है। अरविंद केजरीवाल ने चिट्ठी में लिखा कि दिल्ली की कानून व्यवस्था केंद्र

सरकार के अधीन है। दिल्ली को अब अपराध की राजधानी के नाम से जाना जा रहा है। भारत के 19 मेट्रो शहरों में दिल्ली महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराध में नंबर वन पर, साथ ही हत्या के मामलों में दिल्ली नंबर वन पर है। केजरीवाल ने लिखा कि दिल्ली में जबरन वसूली वाले गैंग सक्रिय हुए। एयरपोर्ट और स्कूल को धमकी मिल रहीं हैं। ड्रग्स से जुड़े अपराधों में 350% की बढ़ोतरी हुई है। मैं पूरी दिल्ली में लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हूं। दिल्ली अब देश-विदेश में अपराध की राजधानी के रूप में पहचानी जा रही है। ड्रग्स से जुड़े अपराधों में 350% की बढ़ोतरीः केजरीवाल केजरीवाल ने लिखा, 'मैं आपका ध्यान दिल्ली की कानून व्यवस्था से जुड़े कुछ चिंताजनक आंकड़ों पर लाना चाहता हूं।

'दिल्ली को अब अपराध की राजधानी के नाम से जाना जा रहा'

अरविंद केजरीवाल ने पत्र में लिखा, 'मैं आपको यह पत्र इसलिए लिख रहा हूं क्योंकि देश के गृह मंत्री होने के नाते दिल्ली की कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी आपकी है। लेकिन यह बताते हुए बहुत दुख होता है कि दिल्ली अब देश और विदेश में अपराध की राजधानी के रूप में पहचानी जा रही है। दिल्ली में जहां महिलाओं के खिलाफ अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं, वहीं जबरन वसूली करने वाले गिरोह और गैंगस्टर्स हर गली में सक्रिय हो चुके हैं। ड्रग्स माफिया पूरी दिल्ली में अपने पैर पसार चुके हैं। मोबाइल और चैन स्नैचिंग से पूरी दिल्ली परेशान है। आज अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि दिल्ली की सड़कों पर दिनदहाड़े गोलीबारी, हत्या, अपहरण और चाकूबाजी जैसी घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है।

एयरपोर्ट और स्कूल को धमकी मिल रहीं हैं: केजरीवाल

उन्होंने आगे लिखा, 'पिछले 6 महीनों में दिल्ली के 300 से ज्यादा स्कूलों-कॉलजों, 100 से ज्यादा अस्पतालों, एयरपोर्ट और मॉल पर लगातार बम धमाकों की धमकियां दी जा रही हैं। ये रोज-रोज नकली धमकी देने वाले पकड़े क्यों नहीं जा रहे? क्या आप सोच सकते हैं एक बच्चे पर क्या गुजरती है, उसके मां-बाप पर क्या गुजरती है, जब बम की धमकी की वजह से स्कूल खाली करवा कर बच्चों को घर भेज दिया जाता है? आज दिल्ली के हर माता-पिता और हर बच्चा बम के डर के साये में जी रहा है। यह कितना शर्मनाक है कि आपकी देखरेख में हमारी गौरवशाली राजधानी कानून व्यवस्था की असफलता के कारण अब 'रेप कैपिटल', 'ड्रग कैपिटल' और 'गैंगस्टर कैपिटल' जैसे नामों से जानी जा रही है।'

सीलमपुर में कांग्रेस और आप का रहा है बोलबाला, भाजपा को पहली जीत का इंतजार

नई दिल्ली। 1993 के बाद से हुए किसी भी चुनाव में भाजपा को इस सीट पर जीत नहीं मिली है। 1993 से लेकर 2014 तक चौधरी मतीन अहमद ने इस सीट से प्रतिनिधित्व किया। इसमें तीन बार वह कांग्रेस के टिकट पर जीते। 2015 व 2020 में इस सीट पर आम आम आदमी पार्टी का कब्जा रहा है। सीलमपुर विधानसभा सीट पर भाजपा को खाता खोलने का इंतजार है। 1993 के बाद से हुए किसी भी चुनाव में भाजपा को इस सीट पर जीत नहीं मिली है। 1993 से लेकर 2014 तक चौधरी मतीन अहमद ने इस सीट से प्रतिनिधित्व किया। इसमें तीन बार वह कांग्रेस के टिकट पर जीते। 2015 व 2020 में इस सीट पर

आम आम आदमी पार्टी का कब्जा रहा है। इस बार का मुकाबला दिलचस्प होने जा रहा है। इस सीट से कांग्रेस और आप के चेहरों ने अपना पाला बदल लिया है। मौजूदा विधायक अब्दुल रहमान ने टिकट न मिलने से आप से नाता तोड़ लिया। कांग्रेस ने उनको पहली लिस्ट में ही अपना प्रत्याशी बना दिया है। इससे पहले इस सीट पर कांग्रेस से पांच बार के विधायक रहे मतीन अहमद ने बीते दिनों आप में शामिल हो गए। आप ने उनके पुत्र जुबैर को इस सीट से उतारा है। साफ है कि मतदाताओं के सामने चेहरे वही होंगे, लेकिन उनकी पार्टियां अलग होंगी। वहीं, भाजपा भी इस सीट पर पहली जीत सुनिश्चित करने के लिए दावेदारी पेश करेगी। इस लिहाज से सीलमपुर विधानसभा सीट इस बार भी हॉट सीट मानी जा रही है। उधर, सियासी प्रोफाइल भी इस सीट का दिलचस्प है। दिल्ली विधान सभा के गठन के बाद 1993 से 2013 तक चौधरी मतीन अहमद का दबदबा रहा। चौधरी मतीन अहमद लगातार पांच बार विधायक चुने गए। पहली बार जनता दल से, एक बार निर्दलीय और तीन बार कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की। 2015 में पहली बार यहां सत्ता बदली और आप के हाजी इशराक खान विधायक बने। 2020 में आप उम्मीदवार अब्दुल रहमान ने भाजपा के कौशल कुमार मिश्रा को हराया था।

वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी अस्पताल में भर्ती, अपोलो अस्पताल में चल रहा इलाज

नई दिल्ली। लालकृष्ण आडवाणी को रूटीन चेकअप के लिए अपोलो अस्पताल ले जाया गया। वह फिलहाल डॉक्टर्स की निगरानी में हैं और उनकी हालत स्थिर है। इससे पहले इस साल अगस्त महीने में भी आडवाणी को अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी की तबीयत बिगड़ गई है, जिसके बाद उन्हें दिल्ली स्थित अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, लालकृष्ण आडवाणी को रूटीन चेकअप के लिए अपोलो अस्पताल ले जाया गया। वह फिलहाल डॉक्टर्स की निगरानी में हैं

और उनकी हालत स्थिर है। इससे पहले इस साल अगस्त महीने में भी आडवाणी को अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जुलाई में भी देश के पूर्व गृह मंत्री लालकृष्ण आडवाणी को दिल्ली के एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था। एम्स में डॉ. अमलेश सेठ की निगरानी में उनका इलाज किया गया था। उस वक्त आडवाणी को यूरोलॉजी विभाग में भर्ती कराया गया था। अपोलो अस्पताल ने बयान जारी कर बताया कि 'भारत के पूर्व उप-प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को चिकित्सा प्रबंधन और जांच के लिए इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है।

इसी साल देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से किया गया सम्मानित

लालकृष्ण आडवाणी का जन्म 8 नवंबर, 1927 को पाकिस्तान के कराची में हुआ था। बीती 8 नवंबर को ही अडवाणी ने अपना 98वां जन्मदिन मनाया है। आडवाणी साल 2002 से 2004 तक भारत के उप प्रधानमंत्री और 1999 से 2004 तक केंद्रीय गृह मंत्री रहे। लाल कृष्ण आडवाणी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मार्च में उनके आवास पर जाकर आडवाणी को यह सम्मान प्रदान किया। इस सम्मान समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह और आडवाणी के परिवार के सदस्य मौजूद रहे।

बालासाहेब ने भाजपा को हिंदुत्व के रास्ते पर चलना सिखाया : संजय राउत

मुंबई,। मुंबई के दादर इलाके में स्थित हनुमान मंदिर को अवैध बताकर रेलवे विभाग की तरफ से नोटिस देने का मामला गमार्ता जा रहा है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) से राज्यसभा सांसद संजय राउत ने शनिवार को कहा 'वो' मंदिर तोड़कर दिखाए, हमें भी देखना है कि भाजपा वाकई में हिंदुत्ववादी पार्टी है भी या नहीं। साथ ही दावा किया कि पार्टी को हिंदुत्व की राह बालासाहेब ठाकरे ने दिखाई थी। मुंबई के दादर इलाके में 80 साल पुराने हनुमान मंदिर के तोड़ने का विवाद गमार्ता जा रहा है। संजय राउत ने शनिवार को कहा, वो मंदिर तोड़कर दिखाए, हमें भी देखना है कि भाजपा वाकई में हिंदुत्ववादी पार्टी है भी या नहीं। संजय राउत बोले, हिंदुत्व किसी के बाप का नहीं है। उनको हिंदुत्व किसने सीखाया। राउत ने आगे कहा, 80 साल पुराने मंदिर को तोड़ने को लेकर किसी से चर्चा भी नहीं की गई। इस मंदिर में हजारों लोग प्रतिदिन श्रद्धा

से पूजा पाठ करने जाते है, श्रद्धालुओं में भाजपा को वोट करने वाले लोग भी होंगे। विकास के नाम पर पहले उन्होंने मुंबई के पेड़ों को काटा, इमारत तोड़ी और अब मंदिरों पर उनकी नजर है। उन्होंने बताया, शिवसेना सुप्रीमो बालासाहेब ठाकरे ने भाजपा को उंगली पकड़कर हिंदुत्व के रास्ते पर ले जाने का काम किया, लेकिन उन्होंने उस रास्ते पर भी हिंदुत्व के नाम पर गड्ढा खोद कर रख दिया है। राउत ने कहा, शिवसेना (यूबीटी) का हिंदुत्व भाजपा की तरह सिर्फ वोट के लिए नहीं है। शिवसेना (यूबीटी) के लिए हिंदुत्व जीवन और संस्कृति है। लेकिन भाजपा के हिंदुत्व को फरसा लेकर गुजरात घूमना पड़ता है। अगर उनमें हिम्मत है तो वीर सावरकर को भारत रत्न देकर दिखाएं। हनुमान मंदिर पर बड़ा बयान देते हुए उन्होंने कहा, शनिवार शाम चार बजे शिवसेना यूबीटी मंदिर में महाआरती करने वाली है। इसमें पार्टी के कई युवा कार्यकर्ता शामिल होंगे। अगर भाजपा हिंदुत्ववादी हैं, तो वो भी आरती में आज सकते हैं। बता दें कि इससे पहले चार दिसंबर को मध्य रेलवे द्वारा मंदिर के ट्रस्टियों और पुजारी को नोटिस जारी करके मंदिर को अवैध कब्जा बताते हुए सात दिन के अंदर हटाने को कहा गया था।

कोयले की गैस लगने से तीन प्रवासियों की मौत, कमरे में जला रखी थी अंगीठी

शिमला। सोलन जिले के थाना धर्मपुर के तहत डगशाई के साथ लगती अन्हेच पंचायत के रिहूं गांव में कोयले की गैस लगने से तीन प्रवासी कामगारों की मौत हो गई। हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में कोयले की गैस से तीन कामगारों की मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार जिले के थाना धर्मपुर के तहत डगशाई के साथ लगती अन्हेच पंचायत के रिहूं गांव में कोयले की गैस लगने से तीन प्रवासी कामगारों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान सुरेश कुमार, अरबाज और सूरज, निवासी रामपुर उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। तीनों की उम्र 20 से 28 वर्ष के बीच थी। बताया जा रहा है कि बीती रात को तीनों अपने कमरे में सो गए थे। जब सुबह नहीं उठे तो मकान मालिक ने बार-बार दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई आवाज नहीं आई। इसके बाद उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों और पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने कमरे की खिड़की की जाली तोड़कर अंदर से दरवाजे में कुंडी खोली। कमरे में तीनों ही व्यक्ति

मृत मिले और साथ ही कोयले की अंगीठी जली हुई थी। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टता मामला कोयले की गैस लगने से मृत्यु होने का बताया जा रहा है। एसपी सोलन गौरव सिंह ने बताया कि परमाणू पुलिस मौके पर है। शवों को कब्जे में ले लिया गया है। आगामी जांच जारी है।

भारतीय मछुआरों की रिहाई के लिए एस जयशंकर से मिली कांग्रेस सांसद सुधा

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मयिलादुथुराई से कांग्रेस सांसद आर सुधा ने शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने श्रीलंकाई सरकार से बात कर भारतीय मछुआरों को रिहा कराने की मांग उठाई। कांग्रेस सांसद ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि, वो श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायका पर दबाव बनाए कि वे 15-17 दिसंबर को तीन दिवसीय भारत यात्रा के दौरान भारतीय मछुआरों को रिहा करें। उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर से अनुरोध किया, श्रीलंकाई नौसेना द्वारा कैद किए गए 141 भारतीय मछुआरों और भारतीय मछुआरों के स्वामित्व वाली 198 मछली पकड़ने वाली नौकाओं को तत्काल छोड़ दिया जाए। कांग्रेस सांसद ने राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान भारत और श्रीलंका के बीच मछुआरों के मुद्दे के स्थायी समाधान की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने

केंद्र सरकार से कच्चाथिवु समझौते पर ध्यान देने और तमिलनाडु के 14 तटीय जिलों में रहने वाले 2.1 करोड़ लोगों के जीवन में शांति लाने के लिए कार्रवाई करने की भी अपील की। जयशंकर को दिए ज्ञापन में इस बात का जिक्र है। इसमें लिखा गया है, श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायको की 17 दिसंबर, 2024 को प्रस्तावित नई दिल्ली यात्रा, भारत और श्रीलंका से संबंधित कुछ गंभीर सामाजिक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों को सामने लाने का एक और अवसर है। इस दौरान श्रीलंकाई जेलों में बंद अवैध रूप से गिरफ्तार भारतीय मछुआरों और श्रीलंका द्वारा अवैध रूप से जब्त की गई मछली पकड़ने वाली नौकाओं और ट्रॉलरों की रिहाई सुनिश्चित करने का भी अवसर है। बता दें कि तमिलनाडु का तट 1,076 किलोमीटर तक लंबा है, जो भारत की कुल तटीय लंबाई का लगभग 15 प्रतिशत है। प्रदेश के कुल 38 जिलों में से 14 तटीय हैं। इसमें मयिलादुथुराई भी शामिल है। वहीं, अन्य तटीय जिले तिरुवल्लूर, चेन्नई, चैंगलपट्टू, विल्लुपुरम, कुड्डालोर, नागपट्टिनम, तिरुवरुर, तंजावुर, पुदुकोट्टई, रामनाथपुरम, थूथुकुडी, तिरुनेलवेली और कन्याकुमारी हैं।

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 • नई दिल्ली। रविवार 15 दिसंबर – 2024 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

महर्षि दयानन्द विद्यापीठ की शिक्षिका कोमल त्यागी को मिला मुख्यमंत्री अध्यापक पुरूस्कार

पूर्व पार्षद हिमांशु लव ने किया शिक्षिका को 21 हजार रूपये का ईनाम देने का ऐलान

गाजियाबाद करंट क्राइम। महर्षि दयानन्द विद्यापीठ की पहचान गाजियाबाद के उन शिक्षा के मंदिरों में है जहां से हर वर्ष टॉपर निकलते है। सादगी और संस्कार के साथ शिक्षा यहां की सबसे बड़ी पहचान है। इस स्कूल ने एक बार फिर बड़ा कीर्तिमान स्थापित किया है और इस बार स्कूल को ये सम्मान विद्यार्थियों की नहीं बल्कि स्कूल की शिक्षिका के कारण मिला है। महर्षि दयानन्द विद्यापीठ की शिक्षिका कोमल त्यागी को मुख्यमंत्री अध्यापक पुरूस्कार से सम्मानित किया गया है।

उत्तर प्रदेश की राज्य चयन समिति द्वारा मंडलीय समिति से अग्रसारित होकर कई नाम गये थे और इन सभी का साक्षात्कार हुआ था और इसके बाद प्रस्तुतीकरण के आधार पर मूल्यांकन किया गया और फिर राज्य चयन समिति द्वारा तीन अध्यापकों का चयन हुआ। गाजियाबाद के लिए गर्व की बात ये है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री अध्यापक पुरूस्कार से सम्मानित होने वाले तीन शिक्षकों को में एक शिक्षिका गाजियाबाद की है। ये शिक्षिका महर्षि दयानन्द विद्यापीठ की वाणिज्य विभाग की शिक्षिका कोमल त्यागी है। इसके अलावा जिन दो अन्य शिक्षकों को सम्मानित किया गया है उनमें एक शिक्षिका वाराणसी की छाया खरे है। वह आर्य महिला इण्टर कॉलेज, वाराणसी में विज्ञान विषय की अध्यापक हैं।

इसके अलावा हमीरपुर के सरस्वती विद्यामंदिर इण्टर कॉलेज के प्राधानाचार्य राम प्रकाश गुप्ता को भी सम्मानित किया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार के शिक्षा विभाग के विशेष सचिव उमेश चंद ने 13 दिसम्बर को शासनादेश जारी कर पूरे यूपी से चुने गये तीन शिक्षकों को यह पुरूस्कार प्रदान किये जाने की घोषणा की। महर्षि दयानन्द विद्यापीठ की शिक्षिका कोमल त्यागी को वर्ष 2024 के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया है।

पूर्व मंत्री बालेश्वर त्यागी ने दी कोमल त्यागी को शुभकामनाएं

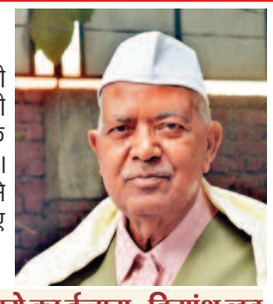

करंट क्राइम। महर्षि दयानन्द विद्यापीठ का नाम आता है तो यहां सबसे पहले इस विद्यापीठ के संस्थापक पूर्व मंत्री बालेश्वर त्यागी का नाम आता है। इस शिक्षण संस्थान ने आज जो एक शानदार छवि बनाई है उसके पीछे पूर्व मंत्री बालेश्वर त्यागी की वर्षों की मेहनत है। वो लगातार इस शिक्षण संस्थान में सुधार के लिए काम करते हैं। एक मौके पर उन्होंने कहा भी था कि अगर वो एक भी दिन यहां से अनुपस्थित होते हैं तो कुछ अधूरा सा महसूस करते हैं। स्कूल की शिक्षिका कोमल त्यागी को जब मुख्यमंत्री अध्यापक पुरूस्कार मिला तो पूर्व मंत्री बालेश्वर त्यागी ने कोमल त्यागी को विशेष रूप से बधाई दी, शुभकामनाएं दी और कहा कि भविष्य में भी ऐसे ही सम्मान पाने के लिए पूरी कर्मठता और निष्ठा से कार्य करने की अपेक्षा करता हूं।

यह विद्यापीठ है मेरे पिता की भी पहचान, हम देंगे कोमल त्यागी को 21 हजार रूपये का ईनाम : हिमांशु लव

करंट क्राइम। पूर्व पार्षद हिमांशु लव ने महर्षि दयानन्द विद्यापीठ की अध्यापिका को मुख्यमंत्री पुरूस्कार प्राप्त होने पर खुशी व्यक्त की और 21 हजार रूपये का ईनाम देने का ऐलान किया। करंट क्राइम से बातचीत में उन्होंने कहा कि यह विद्यापीठ, यह शिक्षण संस्थान मेरे स्वर्गीय पिता, ओज रस के कवि कृष्ण मित्र जी की पहचान है। वह अपने जीवन के अंतिम क्षणों तो महर्षि दयानन्द विद्यापीठ के अध्यक्ष रहे। मेरे पिता एक महान कवि होने के साथ-साथ एक अध्यापक भी रहे हैं। उन्होंने 18 वर्ष दिल्ली में अध्यापक के रूप में नौकरी की है। वह हरीश चंद त्यागी फाउंडेशन के भी अंत समय तक अध्यक्ष रहे। हमें इस बात की खुशी है कि शिक्षा के क्षेत्र में जो पौधा लगाया गया था उस पर संस्कारों के फल आये हैं। स्कूल के छात्रों के साथ-साथ स्कूल के अध्यापक भी पूरे उत्तर प्रदेश में इस विद्यापीठ का नाम रोशन कर रहे हैं। हिमांशु लव ने कहा कि शिक्षिका कोमल त्यागी को 21 हजार रूपये का ईनाम दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि यह ईनाम मैं अपने पिता स्वर्गीय कृष्णमित्र जी की स्मृति को अर्पित करता हूं। गाजियाबाद में एक शिक्षिका ने अपनी प्रतिभा से मुख्यमंत्री शिक्षक पुरूस्कार प्राप्त कर हम सबको गौरवान्वित होने का अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि शिक्षिका कोमल त्यागी को यह पुरूस्कार बाकायदा एक समारोह आयोजित कर दिया जायेगा।

पूर्व पार्षद के लैटर के बाद क्रासिंग वाली जमीन में आ गया जांच वाला मोड

शनिवार को प्रमुख सचिव, आवास ने ली लखनऊ में बैठक

गाजियाबाद करंट क्राइम। क्रासिंग रिपब्लिक वाली जमीन में जांच वाला मोड आ गया है। बताते हैं कि इस मामले में पूर्व पार्षद राजेन्द्र त्यागी ने सबसे पहले प्रमुख सचिव आवास एवं शहरी नियोजन विभाग को पत्र लिखा था। उन्होंने अपने पत्र में कहा था कि क्रासिंग रिपब्लिक की पुनरीक्षित डीपीआर को वर्ष 2016 में बिना स्वामित्व परीक्षण किये नियम विरूद्ध स्वीकृत किया गया। उन्होंने अपने पत्र में वर्ष 2020-21 में जीएच-01, जीएच-12 तथा जीएच-14 का नियम विरूद्ध नक्शा स्वीकृत करने में शामिल अधिकारियों के खिलाफ कडी कार्यवाही की मांग की है। राजेन्द्र त्यागी ने इस मामले की शिकायत की थी और उसी के बाद इस मामले में जांच का मोड आ गया। राजेन्द्र त्यागी का ये आरोप है कि उन्होंने लगभग 20-25 बार शिकायत की और उनकी शिकायत पर जांच को ठंडे बस्ते में डाला गया था। 13 दिसम्बर को राजेन्द्र त्यागी ने फिर से शिकायत की थी और 14 दिसम्बर को संयुक्त सचिव, उप्र शासन की ओर से जीडीए सचिव को पत्र आ गया और क्रासिंग रिपब्लिक की पुनरीक्षित डीपीआर मामले में जांच कराकर आख्या मांग ली गई है। बताते हैं कि शनिवार को प्रमुख सचिव के समक्ष बैठक में जीडीए सचिव पहुंचे और उन्होंने इस पूरे मामले से जुडी सूचनाएं उपलब्ध करायीं। बताते हैं कि यहां शासन की ओर से ये भी कहा गया कि 13 नवंबर के पत्र के माध्यम से आख्या के साथ-साथ सूचना उपलब्ध करायी लेकिन जांच आख्या दो वर्ष तक प्रस्तुत न करने की दशा में उत्तरदायित्व निर्धारण की सूचना उपलब्ध नहीं करायी गई है। इस पत्र में कहा गया है कि आप द्वारा दो कार्यदिवस में सूचना उपलब्ध कराये जाने का आश्वासन दिया गया था परन्तु दूरभाष पर किये गये अनुरोध के बाद भी सूचना शासन तक नहीं पहुंची। जिसके कारण उच्च स्तर पर नाराजगी व्यक्त की गई है। सूत्र बताते हैं कि 14 दिसम्बर यानी शनिवार को लखनऊ में बैठक हुई है और इस मामले में जांच वाला मोड़ आ गया है।

गाजियाबाद में हुआ राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

40 हजार से ज्यादा वादों का हुआ निस्तारण और करोड़ों रुपए का वसूला गया अर्थदंड

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शनिवार को कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद की ओर से राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत के अंतर्गत शनिवार को जिला न्यायालय परिषद में जिला जज अनिल कुमार दशम जनपद गाजियाबाद जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें परवेंद्र शर्मा नोडल अधिकारी विशेष न्यायाधीश सीबीआई, हीरालाल अपर जिला जज कोर्ट संख्या दो, नीरज गौतम विशेष न्यायाधीश पास्को एक्ट प्रभारी अधिकारी नजारत विभाग एवं कुमार मिताक्षर अपर जिला जज सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण न्यायिक अधिकारीगणों ने भाग लिया। वहीं राष्ट्रीय लोक अदालत के अंतर्गत सुलह योग्य और क्षमा करने योग्य 40668 वादों का निस्तारण किया गया। इसपर अर्थ दंड से दंडनीय मामलों की जांच करते हुए एक करोड़, 71 लाख, 35 हजार 477 अर्थदंड आरोपितों से वसूल किया गया है। इसके साथ ही बड़ी संख्या में अन्य मामलों का भी निस्तारण किया गया है। इस दौरान राष्ट्रीय लोक अदालत में सफल आयोजन में गाजियाबाद बार एसोसिएशन और वरिष्ठ अधिवक्ताओं का भी पूर्ण सहयोग देखने को मिला है। लोक अदालत की वजह से शनिवार को कोर्ट परिसर और आसपास के इलाकों में बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी ताकि सभी व्यवस्था शांतिपूर्वक संपन्न कराई जा सके।

बैंकों के लोन रिकवरी और बीएसएनएल से संबंधित 320 मामलों का भी किया निस्तारण

वैवाहिक एवं भरण पोषण संबंधी 80 मामले निपटे

करंट क्राइम। राष्ट्रीय लोक अदालत शनिवार को आयोजित हुई। जिसमें वैवाहिक एवं भरण पोषण संबंधी 80 मामलों का निस्तारण परिवार न्यायालय द्वारा सुलह समझौता के आधार पर हुआ है। वहीं लघु प्रकृति के मामलों में लेबर एक्ट, वाणिज्य अधिनियम, 26 यूपी एक्ट, पुलिस अधिनियम, बाट माप अधिनियम, मोटर वाहन अधिनियम, आबकारी अधिनियम, जिला परिषद अधिनियम संबंधित मामलों का भी निस्तारण किया गया है। वहीं राजस्व न्यायालयों से प्राप्त सूचना के अनुसार राजस्व संबंधित 1,21,885 मामलों का निस्तारण भी किया गया है। कुल मिलाकर बड़ी संख्याओं में लंबित मामलों को लोक अदालत के जरिए हल करने का काम शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन के माध्यम से हुआ है।

वाहनों के चालान से करोड़ों रुपए का शुल्क वसूला

करंट क्राइम। शनिवार को गाजियाबाद कोर्ट में राष्ट्रीय लोक दल का आयोजन किया गया। जहां मोटर वाहन दुर्घटना प्रतिकर से संबंधित कुल 76 मामलों का निस्तारण करते हुए पक्षकारों को तीन करोड़, 58 लाख, 51 हजार, नौ रुपए अदा करने का आदेश भी पारित किया गया है। इसके साथ ही राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न बैंकों के लोन रिकवरी-बीएसएनएल से संबंधित कुल 320 मामलों का निस्तारण किया गया है। जिसमें 6,31,951 रुपए की धनराशि वसूलने के भी आदेश दिए गए हैं।

50 हजार के इनामी सोनू मटका के एनकाउंटर के बाद भी खत्म नहीं हुआ पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा पर खतरा

बोले अभी कई कुख्यात कर रहे हैं उनकी जासूसी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शनिवार तड़के मेरठ में यूपी एसटीएफ ने डबल हत्याकांड में दिल्ली के हाशिम बाबा गिरोह के गैंगस्टर अनिल उर्फ सोनू उर्फ मटका को मुठभेड़ में मार गिराया है। मेरठ के टीपी नगर में एसटीएफ की सोनू मटका के साथ मुठभेड़ हुई थी और इस ऑपरेशन में दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम भी साथ थी। एनकाउंटर में गोली लगने से सोनू को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया था, जहां उसकी मौत हो गई। सोनू मटका पर दिवाली के दिन 31 अक्टूबर को दिल्ली के शाहदरा इलाके में कारोबारी चाचा-भतीजे की ताबड़तोड़ गोली चलाकर हत्या का आरोप था। वहीं पुलिस के सूत्रों ने बताया है कि सोनू मटका और उसका दोस्त अजय साहिबाबाद के पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा पर भी जानलेवा हमले के फिराक में थे।

दोनों एक बार इस इरादे से गए थे, वहां काफी लोग देखकर दोनों वहां से भाग गए थे जबकि इस दौरान उनकी बाइक वहीं छूट गई थी, जो हाशिम बाबा गैंग के आमिर उर्फ सलीम टिल्लन की निकली थी। पूर्व विधायक पंडित अमरपाल शर्मा से दैनिक करंट क्राइम ने बातचीत की, तो उनका कहना है कि इस गैंग के अभी कई कुख्यात बदमाश जेल से बाहर हैं और फरार चल रहे हैं। उनकी जान को अभी भी खतरा बरकरार है। साथ ही पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा का कहना है कि इस गिरोह के कई गुर्गे उनके बारे में जानकारी जुटा चुके हैं, उनको ऐसा इनपुट मिला है। जो वह पूर्व में ही पुलिस के अधिकारियों को साझा कर चुके हैं।

पुलिस से की मांग उनको सुरक्षा मिले पूरी

नवंबर में की गई थी पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा की रेकी

करंट क्राइम। पुलिस से जानकारी मिली है कि पंडित अमरपाल शर्मा ने दिल्ली पुलिस के डीसीपी शाहदरा जिला को एक शिकायत दी थी। जिसमें उन्होंने सोनू मटका और अजय पर खुद की जान को खतरा बताया था। साथ ही 30 नवंबर को दिल्ली स्पेशल क्राइम ब्रांच ने अजय को गाजियाबाद के खोड़ा कॉलोनी से गाजीपुर मंडी की तरफ जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार किया था। पुलिस सोनू मटका के बारे में जानकारी जुटा थी। वहीं अमरपाल शर्मा का कहना है कि जिस तरीके से उनकी रेकी की गई थी, उससे वह डर गए थे और उन्होंने इस मामले में गाजियाबाद से लेकर दिल्ली पुलिस के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात करते हुए शिकायत दी थी। उनकी रेकी होना उनके लिए खतरे की बात कही जा रही है।

सोनू मटका से मिले दो पिस्टल, 10 कारतूस

करंट क्राइम। सोनू मटका के पास से एसटीएफ को दो पिस्टल, 10 कारतूस, बाइक बरामद हुई है। सोनू हाशिम बाबा गैंग का शूटर था, उसपर करीब 12 हत्या और डकैती के मुकदमे दिल्ली और यूपी में दर्ज हैं। सोनू पर पुलिस ने 50 हजार का ईनाम रखा था। सोनू मटका दिल्ली के शकरपुर इलाके में हुई हत्या के मामले में 2014 से जेल में बंद था। वहीं तो 2021 में पत्नी के ऑपरेशन के नाम पर पैरोल पर बाहर आया था। जून 2021 में जेल में सरेंडर करना था लेकिन वह फरार हो गया था।

कूड़ा निस्तारण को लेकर फिर दिखा महापौर सुनीता दयाल का एक्शन मोड

मोरटा, भिक्कनपु और मकरेड़ा लैंडफिल साइट का किया निरीक्षण

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शासन और नगर निगम गाजियाबाद को कूड़ा निस्तारण और स्वच्छता के मामले में नंबर वन बनाना चाहता है। तो वहीं नगर निगम की महापौर और नगर आयुक्त से लेकर अधिकारियों की भी इस अभियान में जुटने के पीछे यहीं मंशा है।

कूड़े को लेकर कहीं शिकायत और कूड़ा निस्तारण में कमी देखने को मिलती है, तो महापौर का पारा हाई हो जाता है। शनिवार को महापौर सुनीता दयाल ने मोरटा, भिक्कनपु और मकरेड़ा लैंडफिल साइट का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने देखा कि कूड़े का ढेर लगा हुआ है। कूड़ा पहाड़ के रूप में तब्दील हो रहा है। इसको लेकर महापौर सुनीता दयाल ने नाराज की जाहिर करते हुए तीनों साइड पर काम करने वाली कंपनी को कहा है कि कूड़े के निस्तारण में तेजी लाई जाए और कूड़ा डंप अधिक दिनों तक नहीं किया जाए। उन्होंने कहा कि इससे आसपास के लोगों को परेशानी होती है। साथ ही गंदगी, बदबू और उसपर पशु पक्षी भी बैठते हैं। बता दें कि पहले भी महापौर सुनीता दयाल कूड़े से लेकर कूड़ा उठाने वाले वाहनों के सिलसिले में औचक निरीक्षण कर चुकी हैं। इसके साथ ही लापरवाही पर निगम के स्टाफ व ठेकेदारों को फटकार लगाई गई थी।

कहा कूड़ा निस्तारण में लाई जाए तेजी, कूड़ा डंप को लेकर दिखाई दी नाराजगी

निरीक्षण के दौरान कूड़ा निस्तारण में नहीं मिली मेयर को तेजी

करंट क्राइम। शनिवार को महापौर सुनीता दयाल एक्शन मोड में थी, तो उन्होंने नगर निगम के कूड़ा निस्तारण करने वाली लैंडफिल साइट का निरीक्षण और परीक्षण किया। इसमें वह मोरटा, भिक्कनपु और मकरेड़ा लैंडफिल साइट पाइपलाइन पर स्वयं पहुंची। जिसमें महापौर सुनीता दयाल ने देखा कि तीनों साइड पर तेजी से कूड़ा निस्तारण का कार्य होना चाहिए, वह उस तेजी से नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि कूड़ा अधिक से अधिक डंप किया जा रहा है जबकि कूड़े को डंप नहीं ज्यादा से ज्यादा निस्तारण करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कूड़े के पहाड़ ना बने और आसपास की जनता को परेशानी ना हो।

क्या फिर महापौर के निशाने पर आएंगे लापरवाही करने वाली कंपनी

करंट क्राइम। शनिवार को महापौर सुनीता दयाल ने लैंड फिल साइड का निरीक्षण किया है। तीनों ही साइट गाजियाबाद नगर निगम के कूड़ा निस्तारण का काम करती है। यहां की व्यवस्थाओं को लेकर भी महापौर सुनीता दयाल द्वारा पूर्ण रूप से संतुष्टि प्रदान नहीं की गई है। साथ ही उनका कहना है कि जिस तेज गति से यहां का काम होना चाहिए, उसमें भी सुधार होने की बेहद आवश्यकता है। इसके साथ ही कूड़े का पहाड़ नहीं बनना चाहिए, जिसे देखकर महापौर नाराज भी हुई हैं। अब नगर निगम के अधिकारियों और निगम में चर्चा हो रही है कि क्या कूड़ा निस्तारण करने वाली कंपनियां मेयर के निशाने पर आएंगे। वहीं मेयर सुनीता दयाल का कहना है कि शहर को साफ-सुथरा बनाने के लिए जिन कंपनियों को लाखों करोड़ों रुपए दिए जा रहे हैं, वह शहर की जनता और निगम के साथ खिलवाड़ ना करें। शहर को स्वच्छ, कूड़ा रहित और दुर्गंध रहित बनाना है। इसे क्लीन और ग्रीन बनाने का जिम्मा भी नगर निगम का सर्वाधिक है।

संपादकीय

भारत का बदलता परिदृश्य

इतिहास साक्षी है कि किसी राष्ट्र का गौरव तभी जाग्रत रहता है जब वो अपने स्वाभिमान और बलिदान की परम्पराओं को अगली पीढ़ी को भी सिखाता है, संस्कारित करता है, उन्हें इसके लिए निरंतर प्रेरित करता है। किसी राष्ट्र का भविष्य तभी उज्ज्वल होता है जब वो अपने अतीत के अनुभवों और विरासत के गर्व से पल-पल जुड़ा रहता है। फिर भारत के पास तो गर्व करने के लिए अथाह भंडार है, समृद्ध इतिहास है, चेतनामय सांस्कृतिक विरासत है ।जब हम गुलामी के उस दौर की कल्पना करते हैं, जहां करोड़ों-करोड़ लोगों ने सदियों तक आजादी की एक सुबह का इंतजार किया, तब ये अहसास और बढ़ता है कि आजादी के 75 साल का अवसर कितना ऐतिहासिक है, कितना गौरवशाली है। इस पर्व में शाश्वत भारत की परंपरा भी है, स्वाधीनता संग्राम की परछाई भी है, और आजाद भारत की गौरवान्वित करने वाली प्रगति भी है। हम भारत में हो रहे बड़े बदलावों और विकास कार्यों की दहलीज पर खड़े हैं। यह हर भारतीय के लिए उम्मीदों भरा दौर है, एक ऐसा दौर है जिसमें वे बेहतर जिंदगी और बेहतर देश का ख्वाब देख सकते हैं। लिहाजा, यही वह वक्त है, जब हम भविष्य के भारत का ताना-बाना बुनें। हालाँकि जब हम सावधानीपूर्वक इस ओर देखें कि देश क्या बन सकता है तो हमें इस तथ्यात्मक तस्वीर को भी अनदेखा नहीं करना चाहिए कि भारत का एक गौरवशाली अतीत भी है, न सिर्फ आर्थिक समृद्धि के पैमाने पर बल्कि नैतिक मूल्यों के पैमाने पर भी। हमें भारतीय होने पर गर्व है और उन मूल्यों पर भी, जो भारत के साथ जुड़े हैं। एक पुरानी कहावत है कि भारत एक नया देश है, लेकिन एक प्राचीन सभ्यता है और इस सभ्यता ने अपने पूरे इतिहास में जबरदस्त परिवर्तन देखा है।

प्राचीन समय में दुनिया का एजुकेशन हब होने से लेकर आज दुनिया का आईटी हब बनने तक, भारतीय परिदृश्य ने एक लंबा सफर तय किया है। 15 अगस्त 1947 को अपने संदर्भ के ढांचे के रूप में लेते हुए, हम पाते हैं कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी, अर्थव्यवस्था और मानव विकास जैसे कई क्षेत्र हैं जहां भारत ने उल्लेखनीय प्रगति दिखाई है। हालाँकि, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे कुछ क्षेत्रों पर अभी भी ध्यान दिया जाता है। जब अंग्रेजों ने भारत छोड़ा, तो वे अपने पीछे एक टूटा हुआ, जरूरतमंद, अविकसित और आर्थिक रूप से अस्थिर देश छोड़ गए। स्वतंत्रता के बाद, भारत ने अपनी पहली पंचवर्षीय योजना में वैज्ञानिक अनुसंधान को प्राथमिकता दी। इसने csir और drdo जैसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिक संस्थानों का मार्ग प्रशस्त किया। स्वतंत्रता के केवल तीन वर्षों के बाद, 1950 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना हुई। इन संस्थानों ने विदेशी संस्थानों की सहायता से भारत में अनुसंधान को बढ़ावा दिया। 1975 में अपना पहला उपग्रह आर्यभट्ट लॉन्च करने से लेकर मंगल ग्रह की कक्षा में पहुंचने वाला पहला देश होने तक, भारत ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की बदौलत अंतरिक्ष अनुसंधान प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आत्मविश्वास से भरे कदम उठाए हैं।

अटल पेंशन योजना के ग्राहकों की संख्या 7 करोड़ के पार

वित्त मंत्रालय ने बताया- 47% है महिलाओं की भागीदारी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने हाल ही में अटल पेंशन योजना (अढ) के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि की जानकारी दी। मंत्रालय के अनुसार, 2 दिसंबर, 2024 तक 7.15 करोड़ से अधिक ग्राहक इस योजना के तहत नामांकित हो चुके हैं। कार्यक्रम की सफलता पर प्रकाश डालते हुए, मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट किया, अटल पेंशन योजना सात करोड़ से अधिक ग्राहकों के साथ, अपने लाभार्थियों के लिए सेवानिवृत्ति के बाद मन की शांति सुनिश्चित करते हुए गारंटीकृत पेंशन लाभ के साथ सुरक्षित सेवानिवृत्ति प्रदान करता है। अटल पेंशन योजना भारत की कामकाजी आबादी को सेवानिवृत्ति के बाद के वर्षों में वित्तीय सुरक्षा प्रदान करती है। अटल पेंशन योजना, 60 वर्ष की आयु से 1,000 रुपये से लेकर 5,000 रुपये तक की न्यूनतम मासिक पेंशन की गारंटी देती है। पेंशन की राशि ग्राहकों की ओर से किए गए योगदान पर निर्भर करती है। इस योजना में महिलाओं की महत्वपूर्ण भागीदारी देखी गई है, जो कुल ग्राहकों का लगभग 47 प्रतिशत है। एपीवाई में ग्राहक की मृत्यु के बाद, पति या पत्नी को पेंशन राशि मिलती रहती है एपीवाई की एक खास विशेषता इसकी व्यापक पेंशन संरचना है। ग्राहक की मृत्यु के बाद, पति या पत्नी को वही पेंशन मिलती रहती है। ग्राहक और पति या पत्नी दोनों की मृत्यु के बाद, 60 वर्ष की आयु तक जमा पेंशन राशि नामांकित व्यक्ति को वापस कर दी जाती है, जिससे परिवार के लिए दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित होती है। ग्राहक मासिक, त्रैमासिक या अर्ध-वार्षिक आधार पर योगदान कर सकते हैं, जिससे उन्हें अपने वित्त का प्रबंधन करने में लचीलापन मिलता है। एपीवाई बढ़ती दीर्घायु, एकल परिवारों और बढ़ती जीवन लागत के युग में महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करता है। पेंशन एक स्थिर मासिक आय प्रदान करती है, जो सेवानिवृत्ति के बाद एक सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करती है। अटल पेंशन योजना में सरकार न्यूनतम पेंशन की गारंटी देती है इस

सोने की कीमतें 2025 में रह सकती हैं स्थिर, मामूली वृद्धि के भी मिल रहे संकेत : वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल

नई दिल्ली। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के अनुसार, 2025 में गतिशील वैश्विक आर्थिक परिदृश्य के बीच सोने के लिए संभावनाओं और चुनौतियों का मिश्रण देखने को मिल सकता है। इसी के साथ पीली धातु की कीमतों में वृद्धि की संभावना भी देखी जा रही है। केंद्रीय बैंक की कार्यवाहियां, भू-राजनीतिक तनावों और विकसित हो रही उपभोक्ता और निवेशक मांग जैसे कारक सोने के प्रदर्शन के लिए अहम माने जा रहे हैं।

नए वर्ष के साथ सोने की कीमत स्थिर रह सकती है या कीमतों में मामूली वृद्धि भी दर्ज की जा सकती है। सोने की कीमतों के स्थिर रहने को लेकर वैश्विक जीडीपी, बॉन्ड प्रतिफल और मुद्रास्फीति जैसे प्रमुख आर्थिक घटकों का संकेत मिल रहा है, लेकिन जोखिम अभी भी बने हुए हैं। सोने की कीमतों के वर्तमान परिदृश्य को देखें तो मौजूदा कमजोरी एमसीएक्स में 76,000-78,000 की संभावित ट्रेडिंग रेंज का संकेत देती है। इसके साथ बाजार में जारी अस्थिरता के बीच अल्पकालिक दृष्टिकोण सतर्क बना हुआ है। एलकेपी सिक्योरिटीज के वीपी रिसर्च एनालिस्ट, जतिन त्रिवेदी ने कहा, अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों से मिले-जुले संकेतों के बाद मुनाफावसूली तेज होने से सोने में भारी बिकवाली देखी गई। उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) डेटा कम रहा, लेकिन साप्ताहिक बेरोजगारी दावों में बढ़ोतरी के कारण कॉमेक्स पर सोने की कीमतें 2,710 डॉलर से गिरकर 2,670 डॉलर पर आ गईं। उन्होंने आगे जानकारी देते हुए कहा, एमसीएक्स गोल्ड 79,000 से गिरकर 77,450 पर आ गया, जो कल से 1,500 से अधिक की गिरावट दर्शाता है। इसके अलावा, राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में संयुक्त राज्य अमेरिका सोने की गति में एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में देखा जा रहा है। एक व्यवसाय समर्थक एजेंडा घरेलू भावना को बढ़ावा दे सकता है।

हालांकि, वैश्विक निवेशक सतर्क बने हुए हैं और मुद्रास्फीति के दबाव और सप्लाई चेन से जुड़ी बाधाओं को लेकर चिंता में हैं। उम्मीद की जा रही है कि फेडरल रिजर्व इस वर्ष के अंत तक ब्याज दरों में 100 बेसिस प्वाइंट की कटौती करेगा, जो कि सोने का समर्थन करेगा, लेकिन नीति में उलटफेर चुनौतियों को पैदा कर सकता है। सोने के प्रदर्शन के लिए भारत और चीन, जो कि सोने के दो सबसे बड़े बाजार हैं, महत्वपूर्ण बने रहेंगे। चीन में आर्थिक विकास और सरकारी प्रोत्साहन उपभोक्ता मांग को प्रभावित कर सकते हैं। वहीं, भारत 6.5 प्रतिशत से अधिक आर्थिक विकास के साथ एक मजबूत स्थिति में है।

भारत-यूके वित्तीय बाजार संवाद में दोनों देशों में हुए सुधारों की सराहना की गई

अहमदाबाद। भारत और यूके के वरिष्ठ अधिकारियों ने पूंजी बाजार, बीमा और पुनर्बीमा, पेंशन, फिनटेक, सस्टेनेबल फाइनेंस और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र संबंधित वित्तीय सेवा क्षेत्रों में सुधारों पर चर्चा की। भारत-यूके वित्तीय बाजार संवाद की तीसरी बैठक गुजरात की गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) में वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग द्वारा आयोजित की गई। भारत और यूके के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में प्राथमिकताओं और चल रहे सुधारों पर अपने विचार साझा किए।

वार्ता में फाइनेंशियल रेगुलेशन के उभरते क्षेत्रों में सहयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें वित्तीय क्षेत्रों के बीच द्विपक्षीय व्यापार और निवेश बढ़ाने के लिए दोनों बाजारों में आपसी हित के क्षेत्रों पर ध्यान दिया गया। इस संवाद का नेतृत्व भारतीय वित्त मंत्रालय और एचएम ट्रेजरी के वरिष्ठ अधिकारियों ने किया, जिसमें भारतीय और यूके की नियामक एजेंसियों ने भाग लिया। इनमें भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी), अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए), भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई), पेंशन फंड विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए), बैंक ऑफ इंग्लैंड (बीओई) और वित्तीय आचरण प्राधिकरण (एफसीए) शामिल थे। प्रतिनिधियों ने भारत के पूंजी बाजारों को विकसित करने से जुड़े काम पर भी चर्चा की, प्राथमिक और थोक व्यवस्थाओं में हाल ही में यूके के सुधारों और भारत के पूंजी बाजारों में लॉन्च किए गए नए और इनोवेटिव प्रोडक्ट्स पर ध्यान दिया। वार्ता में संबंधित पेंशन क्षेत्रों में चल रहे सुधारों पर भी चर्चा की गई। भारतीय प्रतिनिधियों ने कार्यस्थल पेंशन भागीदारी दरों को बढ़ाने और भुगतान विधियों को विकसित करने के प्रयासों पर प्रस्तुति दी।

भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत स्थिति में इक्विटी बाजार पर सकारात्मक रुख बरकरार

मुंबई। मोतीलाल ओसवाल प्राइवेट वेल्थ (एमओपीडब्ल्यू) की शनिवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025 की दूसरी छमाही में भारत की आर्थिक गति में सुधार होने की उम्मीद है, जो चुनावों के बाद सरकारी पूंजीगत व्यय में उछाल, ग्रामीण खपत में सुधार और त्योहारी सीजन की मांग जैसे कारकों की वजह से संभव हो पाया है। अल्फा स्ट्रैटेजिस्ट रिपोर्ट में कहा गया है कि विकास स्थिर बना हुआ है, जिससे भारत वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया है, जिसमें उम्मीद से कम अस्थिरता और स्थिर विकास है। बेंचमार्क इंडेक्स में 10-12 प्रतिशत के सुधारात्मक चरण के बाद इक्विटी बाजार अब कंसोलिडेशन फेज में हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि हालिया बाजार सुधार के साथ, लार्ज-कैप वैल्यूएशन अट्रैक्टिव बने हुए हैं। निवेशक हाइब्रिड, लार्ज और फ्लेक्सी-कैप फंडों के लिए एकमुश्त स्ट्रैटेजी अपना सकते हैं, जबकि चुनिंदा मिड- और स्मॉल-कैप रणनीतियों के लिए तीन महीने में

चरणबद्ध दृष्टिकोण अपना सकते हैं। 38 कारोबारी सत्रों के बाद एफआईआई ने 9,947 करोड़ रुपये का निवेश कर शुद्ध खरीदार का रुख अपनाया। रिपोर्ट में कहा गया है, भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत स्थिति में बनी हुई है और धीरे-धीरे विकास के पटरी पर लौटने के संकेत दिख रहे हैं। इसलिए, हम दीर्घावधि के नजरिए से इक्विटी बाजारों पर सकारात्मक बने हुए हैं। इसने निवेशकों को संतुलित और लचीली रणनीति अपनाकर सावधानी से आगे बढ़ने की सलाह दी। रिपोर्ट के अनुसार, हाल के सुधारों को ध्यान में रखते हुए, यदि इक्विटी अलोकेशन वांछित स्तरों से कम है, तो निवेशक हाइब्रिड, लार्ज और फ्लेक्सीकैप रणनीतियों के लिए एकमुश्त निवेश स्ट्रैटेजी लागू कर सकते हैं और सार्थक सुधार की स्थिति में तुरंत डेप्लॉयमेंट के साथ चुनिंदा मिड और स्मॉल-कैप रणनीतियों के लिए 3 से 6 महीने की अवधि लागू करके आवंटन बढ़ा सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, विकसित ब्याज दर परिदृश्य के साथ, निश्चित आय पोर्टफोलियो को उपार्जन रणनीतियों पर अधिक ध्यान देना चाहिए तथा अवधि रणनीतियों पर तटस्थ होना चाहिए।

रोचक तथ्यों का करंट

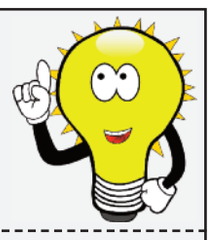

- दुनियाभर में सभी उम्र के 350 मिलियन लोग अवसाद से ग्रस्त हैं।
- मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी समस्याओं के लगभग 30% लोग भी अवसाद से पीड़ित हैं।
- पुरुषों की तुलना में महिलाओं में लगभग दो गुणा अधिक होने की वजह से प्रमुख अवसाद से पीड़ित हैं।
- जिन लोगों में से 15% अवसाद से ग्रस्त होते हैं, वे हर साल अपनी जान लेते हैं।
- अवसाद के कारण आपको सामान्य रूप से 3 से 4 गुना अधिक सपने आते है।
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) के मुताबिक, 6% से अधिक बच्चे अवसाद से ग्रस्त हैं और उनमें से 4.9% की बड़ी अवसाद है।
- गंभीर अवसाद कोशिकाओं में बुढ़ापे की प्रक्रिया को बढ़ाकर हमें जैविक रूप से अधिक उम्र का बना सकता है।
- अवसाद के लगभग 80% पीड़ित उपचार प्राप्त नहीं कर रहे हैं।
- हास्य कलाकारों और हास्यास्पद लोगों पर किए गए शोध से पता चला है कि वे आमतौर पर औसत से अधिक उदास हैं।

राशिफल

मेष: घरेलू सुख-सुविधा की चीजों पर जरूरत से ज्यादा खर्च न करें। पिता का तल्ख बर्ताव नाराज कर सकता है। स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए शांत रहें।

वृष: कठिन परिस्थितियों में माता-पिता का सहयोग मिलेगा। जो प्रेम के मोर्चे पर मायूस हैं, वे प्यार में रंग भरने के लिए कुछ रोमांचक योजना बना सकते हैं।

मिथुन: क्षणिक क्रोध विवाद और दुर्भावना का कारण बन सकता है। मनोरंजन और सौन्दर्य वृद्धि पर आवश्यकता से अधिक समय व्यतीत न करें।

कर्क: आज सभी ग्रह और सितारे आपके पक्ष में हैं, आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता जरूर मिलेगी। आज यात्रा की योजना बन सकती है।

सिंह: इच्छा शक्ति को प्रोत्साहन मिलेगा, क्योंकि उलझी हुई परिस्थितियों से निकलने में कामयाब रहेंगे। भावनात्मक फैसले लेते समय अपनी तार्किकता को न छोड़ें।

कन्या: प्रेम के मामले में सफलता मिलेगी। नए कार्यों की शुरूआत करना शुभ रहेगा। प्रिय के साथ व्यक्तिगत भावनाओं और गोपनीय मामलों को साझा कर सकते है।

तुला: जो लोग कर्ज के लिए आते हैं, बेहतर होगा उन्हें नजरंदाज करें। पारिवारिक मोर्चे पर चीजें अच्छी रहेंगी और योजनाओं को पूरा समर्थन मिलने की उम्मीद हैं।

वृश्चिक: छात्रों के लिए दिन अनुकूल है क्योंकि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिल सकती है। जमीन-जायदाद संबंधी कार्य स्थगित करना आपके हित में रहेगा।

धनु: इससे पहले कि नकारात्मक विचार मानसिक रोग का रूप लें, उन्हें समाप्त कर देना चाहिए। आप किसी परोपकारी कार्य में हिस्सा लेकर ऐसा कर सकते हैं।

मकर: लंबे समय से चली आ रही दिक्कतों से छुटकारा मिल सकता है। आगे बढ़ने के बजाय अपने सभी आगामी कार्यों को पूरा करना ही समझदारी होगी।

कुंभ: भावनात्मक रूप से बहुत अच्छा दिन नहीं रहेगा। आर्थिक समस्याओं के कारण आपको आलोचना और वाद-विवाद का सामना करना पड़ सकता है।

मीन: ऊर्जा से भरपूर रहेंगे, जिसका असर आसपास के लोगों पर भी पड़ेगा। काम से समय निकालकर परिवार के साथ समय बिताना संभव नहीं होगा।

चुटकुले

अकबर ने बीरबल से तीन नये सवाल पूछे
और कहा तीनों का जवाब
एक ही होना चाहिये।
दूध क्यों उफन जाता है ?
पानी क्यों बह जाता है ?
सब्जी क्यों जल जाती है ?
बीरबल ने जवाब दिया ।
व्हाटसअप चालू होने की वजह से।

टीचर- बताओ बच्चों वास्कोडिगामा
भारत कब आया?
टिल्लू- जी सर्दियों में आया था
टीचर- पागल है क्या? किसने कहा?
टिल्लू- टीचर आपकी कसम
मैंने बुक में फोटो देखी थी
उसने कोट पहन रखा था...

करंट क्राइम
जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

15 12 2024

आज के जन्मदिन

सेलेब्रिटी जन्मदिन

गीता फोगाट
रेस्लर

ध्रुव नागर

मीना दीक्षित

कमलेश कुमारी

राजनारायण शुक्ला

नरेंद्र भारद्वाज

प्रशांत सराइया

राम गर्ग

राघव त्रिवेदी

सुधीर चौहान

सुमित शर्मा

सुनील कुमार श्रीवास्तव

सुनील वर्मा

युवराज

डॉ. राजपाल सिंह

कपिल त्यागी

जितेंद्र कुमार

जितेंद्र भाटी

सौरभ सिंह

शरद तिलारा

सोमवीर

पिंटू सैनी

अमित प्रधान

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए।जी।एस। पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

एडिलेड के बाद गाबा में भी दर्शकों ने सिराज की हूटिंग की, हेड से नोकझोंक के कारण जाहिर किया गुस्सा

नई दिल्ली । भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट प्रशंसकों के बीच खाई कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। दोनों टीमों के बीच ब्रिसबेन के गाबा में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के पहले दिन दर्शकों ने सिराज की हूटिंग की। सिराज जब गेंदबाजी कर रहे थे तब दर्शकदीर्घा से कुछ ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसक उनकी हूटिंग करने लगे। मालूम हो कि सिराज और ट्रेविस हेड के बीच एडिलेड टेस्ट के दौरान नोकझोंक हुई थी।

एडिलेड में भी दर्शकों ने की थी हूटिंग

यह पहली बार नहीं है जब सिराज की ऑस्ट्रेलिया में हूटिंग हुई है। हेड से नोकझोंक के बाद एडिलेड में भी दर्शकों ने भारतीय तेज गेंदबाज के साथ इसी तरह का व्यवहार किया था। उस वक्त भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा था कि हेड से नोकझोंक के बाद सिराज की हूटिंग होना उम्मीद के अनुरूप है। क्यों हुई थी सिराज-हेड के बीच नोकझोंक ?भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरे टेस्ट की पहली पारी के दौरान हेड धुआंधार बल्लेबाजी कर रहे थे और 140 रन बनाकर खेल रहे थे।

ऑस्ट्रेलियाई पारी के 82वें ओवर में सिराज ने हेड को बोल्ड किया और भारत को राहत की सांस दिलाई। सिराज के यॉर्कर को हेड समझ नहीं सके और बोल्ड हुए। हेड को आउट करने के बाद हालांकि सिराज अपना आपा खो बैठे और उन्होंने आक्रामकता दिखाई जिस पर हेड ने भी पवेलियन लौटते समय सिराज से कुछ कहा। इस दौरान सिराज और हेड के बीच तू-तू मैं-मैं भी देखने मिली और माहौल कुछ सेकेंड के लिए गरमा गया था।

आईसीसी ने लगाया था जुमार्ना

सिराज और हेड के बीच नोकझोंक के कारण आईसीसी ने इन दोनों खिलाड़ियों पर जुमार्ना लगाया था। सिराज पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुमार्ना लगा था।

पीकेएल-11 तमिल थलाइवाज को हराकर अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंचे पटना पाइरेट्स

पुणे । अयान (13), देवांक (12) और डिफेंडर शुभम शिंदे (5) के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत पटना पाइरेट्स ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में शुक्रवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 109वें मैच में तमिल थलाइवाज को 42-38 के अंतर से हराकर अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया।

पटना ने 18 मैचों में 11वीं जीत हासिल की जबकि मोइन शफागी (11) और सचिन (8) के सराहनीय प्रदर्शन के बावजूद थलाइवाज 18 मैचों में 11वीं हार को मजबूर हुई। इसी के साथ प्लेआफ में जाने की थलाइवाज की उम्मीदों को झटका लगा है। जिस वक्त पटना आलआउट की कगार पर थे, अयान को बोनस देना थलाइवाज को भारी पड़ गया।

बहरहाल, तीन बार के चैंपियन पटना ने अच्छी शुरूआत के साथ तीन मिनट में 5-2 की लीड बना ली थी। पांचवां मिनट बीतते-बीतते हालांकि थलाइवाज ने वापसी की राह पकड़ी और स्कोर 5-6 कर दिया। इसके बाद हिमांशु ने शुभम का शिकार कर स्कोर बराबर कर दिया। शुरूआती 8 मिनट में पटना को एक भी टैकल प्वाइंट नहीं मिला था, फिर भी वे 9-7 से आगे थे।

इस बीच देवांक ने मल्टी प्वाइंटर के साथ न सिर्फ स्कोर 11-7 किया बल्कि थलाइवाज के लिए सुपर टैकल आन कर दिया। इसके बाद की रेड पर भी देवांक ने दो अंक लेकर थलाइवाज को आलआउट की कगार पर ला दिया। सचिन आए और लपक लिए गए। इस तरह पटना ने 16-9 की लीड ले ली।

ब्रेक के बाद पटना ने शफागी को लपका तो थलाइवाज ने अयान और देवांक का शिकार कर पटना को बड़ा झटका दिया। 15 मिनट की समाप्ति तक थलाइवाज ने 12-17 के स्कोर पर वापसी की राह पकड़ ली थी। इसके बाद पटना ने लगातार दो अंक लिए पर सचिन ने मल्टी प्वाइंटर के साथ मामला बराबर कर दिया।

टिम साउदी ने अपने विदाई टेस्ट में क्रिस गेल के छक्के मारने के रिकॉर्ड की बराबरी की

वेलिंगटन । न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी ने शनिवार को सेडन पार्क में अपने अंतिम टेस्ट मैच के दौरान वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज क्रिस गेल के छक्के मारने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

टेस्ट क्रिकेट में साउदी और गेल के अब बराबर छक्के (98) हो गए हैं, जो केवल एडम गिलक्रिस्ट (100), ब्रेंडन मैकुलम (107) और बेन स्टोक्स (133) से पीछे हैं।

साउदी इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के पहले दिन पहली पारी में 272/8 के स्कोर पर बल्लेबाजी करने आए। उन्हें अपने विदाई टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाड़ियों से गार्ड ऑफ ऑनर मिला।

साउदी ने अपनी पारी की पहली गेंद पर बेन स्टोक्स का सामना किया और पूरी तरह से चूक गए। हालांकि, स्टोक्स के अगले ओवर में साउदी ने मिड-विकेट और डीप स्क्वायर-लेग पर दो बड़े छक्के लगाए, इसके बाद पांचवीं गेंद पर एक रन लिया। अपनी धमाकेदार फॉर्म को जारी रखते हुए, साउदी ने गस एटकिंसन के अगले ओवर की पहली गेंद पर मिडविकेट के ऊपर से छक्का लगाया और अगली गेंद को पॉइंट बाउंड्री पर पहुंचा दिया।

आखिरकार एटकिंसन ने अपना बदला तब लिया जब साउदी ने स्लॉग को मिसटाइम किया और ब्रायडन कार्स ने कैच लपका। साउदी 10 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 230 रहा, जो न्यूजीलैंड के किसी बल्लेबाज द्वारा 10 गेंदों में कट-ऑफ के साथ खेली गई तीसरी सबसे तेज टेस्ट पारी थी। उल्लेखनीय रूप से, सूची में दूसरा स्थान भी साउदी का ही है, जो 2019 में श्रीलंका के खिलाफ 10 गेंदों में नाबाद 24 रन की पारी की बदौलत है।

अपनी पारी के दौरान, साउदी के दूसरे छक्के ने उन्हें जैक्स कैलिस के साथ 97 छक्कों के साथ सर्वकालिक टेस्ट छक्का लगाने की सूची में पांचवें स्थान पर ला खड़ा किया।

मुंबई सिटी कोलकाता में मोहम्मडन एससी के खिलाफ मजबूत प्रदर्शन जारी रखना चाहेगी

कोलकाता । किशोर भारती क्रीड़ांगन रविवार को मोहम्मडन एससी और मुंबई सिटी एफसी के बीच पहली बार इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले की मेजबानी करेगा।

आईएसएल में नए विरोधियों का सामना करते समय आइलैंडर्स इस मुकाबले में मजबूत फॉर्म में हैं, उन्होंने अपने पिछले चार गेम जीते हैं और कोलकाता में नौ मैचों में से केवल 1 गेम हारा है।

दूसरी ओर, मोहम्मडन एससी अभी भी इस सीजन में अपनी पहली घरेलू जीत की तलाश में है, जो अपने पांच घरेलू मुकाबलों (डी1 एल4) में से किसी में भी जीत हासिल करने से चूक गई है। अपने ही घर में क्लीन शीट न रख पाने की उनकी अक्षमता

ने भी उनकी संभावनाओं को बाधित किया है। इस प्रकार यह मुकाबला दो विपरीत कथानकों के बीच एक स्थिरता का प्रतिनिधित्व करता है, अर्थात मुंबई सिटी एफसी की अपरिचित दुश्मनों के खिलाफ निरंतरता की खोज और मोहम्मडन एससी की अपने घरेलू भाग्य को बदलने की खोज।

मोहम्मडन एससी के मुख्य कोच एंड्री चेर्निशोव ने कहा कि वह अपने खिलाड़ियों के साथ तैयारी की प्रक्रियाओं को सही करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

चेर्निशोव ने कहा, मेरे लिए, खिलाड़ियों के साथ मैदान पर काम करना, उन्हें अच्छी तरह से प्रशिक्षित करना, उन्हें मैचों के लिए तैयार करना बहुत महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, बाहरी शोर मेरे लिए दिलचस्प नहीं है।

मुंबई सिटी एफसी के मुख्य कोच पेट्र क्रेटकी ने अपनी टीम के फॉर्म पर भरोसा जताया और उल्लेख किया ।

ब्रिस्बेन टेस्ट : बारिश के चलते रुका खेल ब्रेक तक ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 28/0

ब्रिस्बेन । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट मैच में बारिश के चलते जल्दी लंच ब्रेक कर दिया गया। पांच मैचों की यह सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबर है। तीसरे टेस्ट में कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है।

भारतीय टीम इस मैच में दो बदलावों के साथ उतरी है। अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन की जगह पर रवींद्र जडेजा को प्लेइंग इलेवन में जगह मिली है। वहीं हर्षित राणा की जगह पर आकाशदीप वापस आए हैं। दूसरी ओर मेजबान टीम ने भी एक बदलाव करते हुए स्कॉट बोलैंड की जगह पर जोश हेजलवुड को लिया है। हेजलवुड चोट के चलते दूसरे टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे।

ब्रेक तक ऑस्ट्रेलिया की टीम ने 13.2 ओवर में बगैर कोई विकेट खोए 28 रन बना लिए हैं। उस्मान ख्वाजा 47 गेंदों पर 19 और नाथन मैकस्वीनी 33 गेंदों पर 4 रन बनाकर क्रीज पर हैं। लेकिन कंगारूओं ने दूसरे टेस्ट में पिंक बॉल के साथ घरेलू परिस्थितियों में खेलने की महारत का लाभ उठाते हुए मेहमानों को 10 विकेट से मात दी थी। ऑस्ट्रेलिया और भारत दोनों के लिए इस सीरीज में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप दांव पर है।

इस सीरीज में टीम इंडिया की शुरूआत धमाकेदार रही थी जब उन्होंने पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 295 रनों की बड़ी जीत दर्ज की थी

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका में ऑस्ट्रेलिया और भारत की टीमें इस समय क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की टीम अंक तालिका में टॉप पर है। ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले भारत को अपनी घरेलू धरती पर न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-3 से हारना काफी भारी पड़ा है। बॉर्डर गावस्कर सीरीज के तीसरे टेस्ट मैच में दोनों टीमें इस प्रकार हैं- ऑस्ट्रेलिया (प्लेइंग इलेवन): उस्मान ख्वाजा, नाथन मैकस्वीनी, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रेविस हेड, मिशेल मार्श, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), पैट कमिंस (कप्तान), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, जोश हेजलवुड है ।

भारत (प्लेइंग इलेवन): यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रोहित शर्मा (कप्तान), रवींद्र जडेजा, नीतीश कुमार रेड्डी, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप है ।

पोट्स, एटकिंसन ने इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण के लिए एक नए युग का संकेत दिया: नासिर हुसैन

हैमिल्टन । इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर नासिर हुसैन का मानना है कि इंग्लैंड की तेज गेंदबाजी का भविष्य उज्ज्वल है, क्योंकि मैथ्यू पॉट्स और गस एटकिंसन ने हैमिल्टन में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के पहले दिन अपने कौशल का प्रदर्शन किया। दोनों ने तीन-तीन विकेट चटकाए, जिससे न्यूजीलैंड का स्कोर स्टंप तक 315-9 हो गया, जिससे जेम्स एंडरसन के बाद इंग्लैंड खेमे में एक मजबूत संदेश गया।

डरहम के तेज गेंदबाज पॉट्स ने अंतिम टेस्ट के लिए क्रिस वोक्स की जगह टीम में वापसी की। इस बीच, एटकिंसन ने अपने शानदार डेब्यू वर्ष को जारी रखते हुए, केवल 10 मैचों में 50 टेस्ट विकेट लेने का उल्लेखनीय मील का पत्थर हासिल किया।

हुसैन ने पॉट्स की प्रशंसा करते हुए कहा कि 26 वर्षीय पॉट्स दबाव में भी अच्छा प्रदर्शन करते हैं और अपनी टीम के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हैं। हुसैन ने स्काई स्पोर्ट्स न्यूज से कहा, स्पोर्ट्स के पास बड़ा दिल, बड़ा चरित्र और बहुत सारा कौशल है। वह अच्छे खिलाड़ियों को आउट करता है।मुझे लगता है कि अब तक पांच पारियों में उसने केन विलियमसन को चार बार आउट किया है। इंग्लैंड को उस मध्य सत्र में गहराई से खुदाई करने की आवश्यकता थी और पॉट्स ने इसका उदाहरण प्रस्तुत किया।

गुलबदीन नायब पर जिम्बाब्वे के खिलाफ आचार संहिता के उल्लंघन के लिए लगा जुमार्ना

दुबई । अफगानिस्तान के गुलबदीन नायब पर शुक्रवार को हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 15 प्रतिशत जुमार्ना लगाया गया है।

आईसीसी के बयान में कहा गया है, नायब को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन करने के लिए दंडित किया गया है, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति दिखाने से संबंधित है।

यह घटना जिम्बाब्वे की पारी के 11वें ओवर के दौरान हुई जब कप्तान राशिद खान की गेंद पर ताशिंगा मुसेकीवा के खिलाफ एलबीडब्ल्यू की अपील खारिज कर दी गई। मैच में डीआरएस उपलब्ध नहीं होने के बावजूद,नायब ने नकली प्रार्थना में

झुककर और समीक्षा का अनुरोध करके असहमति दिखाई।

जुमार्ने के अलावा, अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है, जो 24 महीने की अवधि के भीतर उनका पहला अपराध है।

नायब ने अपराध स्वीकार किया और मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट द्वारा प्रस्तावित दंड को स्वीकार कर लिया। नतीजतन, औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी।

जिम्बाब्वे और अफगानिस्तान के बीच श्रृंखला शनिवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में होने वाले निर्णायक मैच से पहले 1-1 से बराबर है।

इमाद के बाद अब मोहम्मद आमिर ने भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास, टी20 विश्व कप में लिया था हिस्सा

कराची । पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का एलान कर दिया। यह दूसरी बार है जब आमिर ने यह निर्णय लिया है। आमिर ने इस साल मार्च में संन्यास से वापसी की थी और तीन साल आठ महीने के अंतराल के बाद न्यूजीलैंड सीरीज से उन्हें टीम में शामिल होने का मौका दिया गया था। आमिर इस साल हुए टी20 विश्व कप के लिए पाकिस्तान टीम का हिस्सा थे।

आमिर ने अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले गए टी20 विश्व कप के चार मैचों में सात विकेट झटके थे। हालांकि, पाकिस्तान का सफर ग्रुप चरण में ही थम गया था। आमिर जून के बाद पाकिस्तान के लिए नहीं खेल सके और उन्होंने सोशल मीडिया के जरिये संन्यास लेने की घोषणा की। इस तेज गेंदबाज ने स्वीकार किया कि

उनके लिए यह फैसला लेना आसान नहीं था, लेकिन उन्हें लगता है कि यह अगली पीढ़ी को मौका देने का सही समय है।

आमिर ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये कहा, काफी विचार के बाद मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का कठिन फैसला लिया है। ये निर्णय कभी भी आसान नहीं बल्कि अपरिहार्य होते हैं। मुझे लगता है कि यह सही समय है कि अगली पीढ़ी जिम्मेदारी संभाले और पाकिस्तान क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाए। अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। मैं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड, अपने परिवार और प्रशंसकों को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने लगातार मुझे प्यार दिया और मेरा समर्थन किया।

कैसा रहा आमिर का करियर?

आमिर ने अपने करियर में कुल 271 विकेट लिए। उन्होंने 2009 में डेब्यू किया था। आमिर ने 36 टेस्ट मैचों में 119 विकेट, 61 वनडे मुकाबलों में 81 विकेट और 62 मैचों में 71 विकेट झटके हैं। आमिर 2009 में टी20 विश्व कप जीतने वाली पाकिस्तान टीम का हिस्सा थे। हालांकि, 2010 में इंग्लैंड में फिक्सिंग मामलों में फंसने के कारण उनका करियर प्रभावित हुआ।

पड़ोसन ने ही चोरी किए थे 35 लाख के गहने

गाजियाबाद, करंट क्राइम। मोदीनगर के राज चौपला स्थित बैंक ऑफ बड़ोदा की शाखा के लॉकर से सोने- चांदी के आभूषण पड़ोस वाले लॉकर के स्वामी दंपति ने ही चोरी किए थे। मोदीनगर थाना पुलिस ने मामले में आदर्शनगर में रहने वाली प्रिया गर्ग को गिरफ्तार कर चोरी के गहने बरामद कर लिए हैं। मामले में पुलिस प्रिया गर्ग के पति नितिन गर्ग को भी तलाश कर रही है। 25 अक्टूबर को बैंक लॉकर से आभूषण चोरी होने का मामला प्रकाश में आने के बाद ईशा गोयल पत्नी अंकुश गोयल ने चोरी का मुकदमा दर्ज कराया था।

बैंक से मिली थी लॉकर खुला होने की सूचना

21 अक्टूबर को बैंक से लॉकर खुला होने की सूचना मिली थी। सूचना पर अकुंश गोयल अपनी पत्नी ईशा गोयल के साथ बैंक पहुंचे तो देखा लॉकर खुला पड़ा है और उसमें रख करीब 35 लाख के गहने गायब हैं। बैंक का कहना था कि ग्राहक अपनी चाबी से लॉकर ऑपरेट करते हैं। मोदीनगर के आदर्श नगर निवासी अकुंश गोयल पुत्र जयकिशन गोयल ने 20 साल से बैंक ऑफ बड़ोदा की शाखा में लॉकर किराए पर ले रखा था। पूरे परिवार के गहने इसी लॉकर में रहते थे। अंकुश और उनके पिता जयकिशन लॉकर को ऑपरेट कर थे।

25 अक्टूबर को दर्ज कराई थी रिपोर्ट

डीसीपी ने बताया कि मामले में 25 अक्टूबर को अंकुर की पत्नी ईशा गोयल की ओर से गहने चोरी होने के संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मोदीनगर थाने में एफआईआर होने के बाद जांच शुरू हुई। दो टीमों का गठन किया गया। पुलिस द्वारा जांच के दौरान पड़ोस वाले लॉकर्स के किराएदारों से पूछताछ की गई, आदर्शनगर में ही रहने वाली प्रिया गर्ग से भी इसी क्रम में पूछताछ हुई। पुलिस ने पूछताछ में प्रिया गर्ग को संदिग्ध पाया।

प्रिया के घर से बरामद हुए गहने

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तमाम साक्ष्यों की जांच की तो प्रिया पर शक गहरा गया। सख्ती से पूछताछ करने पर प्रिया ने सारा सच उगल दिया। पुलिस ने प्रिया की निशानदेही पर उसके घर से ही लॉकर से चोरी किए गए करीब 30 लाख के आभूषण बरामद कर लिए हैं। पुलिस को 361 ग्राम सोने के और करीब एक किलो चांदी के आभूषण बरामद हुए हैं। 30 वर्षीय प्रिया को गिरफ्तार कर पुलिस उसके पति नितिन गर्ग पुत्र स्व. धनेश्वर प्रसाद गर्ग को तलाश कर रही है।

कैसे ऑपरेट होता है बैंक का लॉकर

डीसीपी सुरेंद्र नाथ तिवारी ने बताया कि बैंक के लॉकर की दो चाबियां होती हैं, इनमें से एक चाबी बैंक के पास और दूसरी ग्राहक के पास रहती है। उसमें लगा ताला इस तरह का होता है कि उसे खोलने के लिए दोनों चाबियां एक साथ इस्तेमाल की जाती हैं, लेकिन ग्राहक लॉकर चैक करने के बाद अपनी ही चाबी से उसे बंद कर सकता है। इस मामले में ग्राहक ने जब लॉकर चैक किया होगा तो उस समय लॉकर को बंद होने से रह गया होगा।

12 अक्टूबर को चोरी किए थे आभूषण

एसीपी मोदीनगर ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि पूछताछ के दौरान प्रिया गर्ग ने पुलिस को बताया है कि वह अपने पति के साथ 12 अक्टूबर को अपना लॉकर चैक करने गई थी, उसी दौरान बगल वाला लॉकर खुला हुआ दिखा। उसमें झांककर देखा तो सोने- चांदी के आभूषण रखे थे। इतने सारे आभूषण देख नीयत खराब हो गई और हमने सारे गहने चोरी कर लिए।

प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह ने किया टाउनशिप का भ्रमण

कहा- देश में ऐसी स्मार्ट टाउनशिप होना गर्व की बात

ग्रेटर नोएडा, करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह ने शनिवार को आईआईटीजीएनएल की इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप का भ्रमण किया। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ, आईआईटीजीएनएल की निदेशक श्रीलक्ष्मी वीएस और कंपनी सेक्रेटरी पतंजलि दीक्षित ने टाउनशिप के इंफ्रास्ट्रक्चर के बारे में प्रभारी मंत्री को जानकारी दी। टाउनशिप में अब तक हुए औद्योगिक आवंटनों के बारे में बताया। मंत्री ने रिहायश और वाणिज्यिक गतिविधियों के लिए भूखंडों के आवंटन के बारे में जानकारी ली।

अभी तक 6,000 करोड़ रुपए का निवेश

टाउनशिप का भ्रमण करने के बाद प्रभारी मंत्री ने सराहना करते हुए कहा कि देश में ऐसी स्मार्ट टाउनशिप का होना गर्व की बात हैं। उन्होंने वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट और हर प्लॉट से पाइप के जरिए कूड़े को प्रोसेसिंग प्लांट तक पहुंचाने और निस्तारित करने की तकनीक को समझा। आपको बता दें कि आईटीजीएनएल की इस स्मार्ट टाउनशिप में हायर इलेक्ट्रॉनिक्स, फॉर्मे मोबाइल, सत्कृति इंफोटेनमेंट, चेनफेंग, जे वर्ल्ड इलेक्ट्रॉनिक्स और गुरू अमरदास समेत करीब 18 बड़ी कंपनियां करीब 6,000 करोड़ रुपए निवेश कर चुकी हैं।

478 हेक्टेयर जमीन पर बसेंगे ये प्रोजेक्ट

मंत्री ने बोड़ाकी के पास प्रस्तावित मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब और मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक हब के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। करीब 478 हेक्टेयर जमीन पर ये दोनों प्रोजेक्ट विकसित किए जा रहे हैं। मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब अंतर्गत रेलवे, बस अड्डा और मेट्रो कनेक्टिविटी विकसित की जाएगी। बोड़ाकी के पास ही रेलवे टर्मिनल बनाया जाएगा। वहीं लॉजिस्टिक हब से उद्योगों के लिए माल ढुलाई की राह आसान हो जाएगी। निरीक्षण के दौरान आईआईटीजीएनएल के वरिष्ठ प्रबंधक विद्युत महावीर सिंह और प्रबंधक महेश यादव आदि अधिकारी भी मौजूद रहे।

24 से ज्यादा आदमियों को बनाया शिकार, वेबसाइट पर नोएडा की दो शातिर महिलाओं का काला कारनामा

नोएडा, करंट क्राइम। हेल्लो मैं... बोल रही हूं। बोलकर हनीट्रैप में फंसाने वाले गिरोह का नोएडा की फेस-2 पुलिस ने पदार्फाश किया है। इस खतरनाक हनीट्रैप गिरोह ने दिल्ली एनसीआर में ऑनलाइन धोखाधड़ी और ब्लैकमेलिंग के माध्यम से कई लोगों को अपने जाल में फंसाया था। पुलिस ने गिरोह के 3 पुरुष और 2 महिलाओं को गिरफ्तार किया है।

ऐसे बनाते थे भोले-भाले लोगों को शिकार

इस गिरोह ने Google पर Real Meet Girl Delhi वेबसाइट के माध्यम से अपने शिकार फंसाते थे। आरोपी अपने शिकार को ऑनलाइन ट्रैप करने के बाद उन्हें यौन संबंधों के झूठे आरोपों में फंसाकर ब्लैकमेल करते थे। पीड़ित व्यक्ति को डर और सामाजिक अपमान के डर से बड़ी धनराशि देने के लिए मजबूर किया जाता था।

दो दर्जन लोगों को अपना शिकार बनाया

पुलिस की टीम ने अथक प्रयासों के बाद अभियुक्तों को कृष्णा होटल और बायोडावरसिटी पार्क के पास से गिरफ्तार किया। जप्त की गई संपत्ति में 70,000 रुपये नकद, 5 मोबाइल फोन और एक क्रेटा कार शामिल है। गिरोह के मुख्य आरोपियों में लालू यादव, अंकित, ललित, अंजली बैंसला और सोनिया शामिल हैं। इस दोनों महिलाओं के माध्यम से गिरोह मिलकर पहले आदमियों से बातचीत करते थे। फिर मिलने को बुलाकर उन्हीं लोगों को ब्लैकमेल करते थे। पुलिस के अनुसार, इस गिरोह ने लगभग दो दर्जन लोगों को अपना शिकार बनाया और कुल 25-30 लाख रुपये की ठगी की है।

साइबर अपराध और ऑनलाइन धोखाधड़ी पर नजर

फेस-2 पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सभी पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उन्हें न्यायालय में पेश किया जा रहा है। यह कार्रवाई साइबर अपराध और ऑनलाइन धोखाधड़ी के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। गौतमबुद्ध नगर पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करके अपराधियों को पकड़कर समाज में सुरक्षा का संदेश दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ऐसे अपराधों पर लगातार नजर रखी जाएगी और अपराधियों को कड़ी सजा दी जाएगी।

पॉलीथिन फैक्ट्री में लगी आग, लाखों रुपये का नुकसान

दमकल विभाग की टीम ने मश्क्कत से पाया आग पर काबू

हापुड़, करंट क्राइम। धौलाना थाना क्षेत्र के देहरा झाल स्थित पॉलीथिन का गुल्ला बनाने की फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। आग लगता देख लोगों में अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। जिसमें लाखों का माल जलकर राख हो गया। आग लगने की सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने मस्कत से आग पर काबू पाया।

मिली जानकारी के मुताबिक देहरा झाल पर आनंद कुमार की आकाश एंटरप्राइजेज के नाम से पॉलीथिन का गुल्ला बनाने की फैक्ट्री है। शनिवार को फैक्ट्री में अचानल आग लग गई, वहां काम कर रहे कर्मचारियों में आग लगता देख हड़कंप मच गया। लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग का विकराल रूप देख कर आसपास के लोगों में भगदड़ मच गई। फैक्ट्री मालिक ने दमकल विभाग को आग लगने की सूचना दी। आग लगने की सूचना मिलने पर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और गांव पर काबू पाने का प्रयास किया। करीब आधा घंटे की कड़ी मश्क्कत के बाद दमकल विभाग की टीम ने आग पर काबू पा लिया। पीड़ित ने बताया कि आग लगने से करीब 3 लाख रुपए का नुकसान हुआ है।

पिलखुवा दमकल केंद्र के प्रभारी सचिन बालियान ने बताया कि आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंच गई थी। आग लगने का कारण का पता लगाया जा रहा है।

चूहों ने सिग्नल के तार कुतर डाले... इसलिए छह महीने से बंद है गाजियाबाद का यह अहम चौराहा

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद में लगभग सभी महत्वपूर्ण चौराहों और तिराहों पर ट्रैफिक सिग्नल लगे हैं। इनमें से कई सिग्नल खराब पड़े हैं। होटल कंट्री इन तिराहे का ट्रैफिक सिग्नल लंबे समय से खराब चल रहा है। जिसके कारण गंभीर हादसा होने की आशंका बनी रहती है। इसकी वजह भी बड़ी दिलचस्प बताई जा रही है। पूछने पर बताया गया कि चूहों ने सिग्नल के तार कुतर दिए इएलिए नहीं चल रहे हैं ।मोहन नगर से दिल्ली बॉर्डर तक जाने वाली रोड के कंट्री इन तिराहे पर वाहनों का खासा लोड रहता है और रात के समय तिहारे से गुजरने वाले लोग खौफ के साये में रहते हैं। सिग्नल को दुरुस्त करने के लिए नगर निगम को कई बार लिखा जा चुका है, लेकिन सिग्नल की मरम्मत नहीं हो रही है।

यूपी गेट से डाबर तिराहा होते हुए मोहन नगर जाने के दौरान पड़ने वाले कंट्री इन तिराहे पर दिन भर वाहनों का खासा लोड रहता है। दिल्ली की ओर से आने वाले वाहन खासी तेज गति से इस तिराहे से गुजरते हैं। जिसके चलते कंट्री इन की ओर से आने वाले वाहन चालकों को रोड क्रॉस करके दूसरी लेन पर पहुंचने के लिए हादसा होने के डर से गुजरना होता है। कंट्री इन वाली रोड पर कई कंपनियों के ऑफिस हैं और हजारों लोग काम करते हैं। यह सड़क साहिबाबाद साइट-4 औद्योगिक क्षेत्र तक जाती है। साइट-4 से भी सैकड़ों वाहन इस तिराहे पर पहुंचते हैं। कंट्री इन तिराहे से मोहननगर की ओर जाना फिर भी कुछ आसान रहता है, लेकिन रोड क्रॉस करना खासा मुश्किल भरा रहता है। सड़कों पर सुचारू यातायात की जिम्मेदारी ट्रैफिक पुलिस की है, लेकिन चौराहों और तिराहों पर लगे ट्रैफिक सिग्नल नगर निगम की ओर से संचालित किए जाते हैं। जिले में लगे ट्रैफिक सिग्नल संचालन की जिम्मेदारी नगर निगम की ओर से नोएडा की एक कंपनी को दी गई है।

'चूहे तार काट गए हैं'

इसे लेकर लोगों ने कई बार शिकायत भी की है। सूत्रों की मानें तो ट्रैफिक सिग्नल ऑपरेट करने वाली संस्था के कर्मचारी कहते हैं कि मेन रोड पर लगे ट्रैफिक सिग्नल के तार चूहे काट गए हैं, जिसके चलते सिग्नल सही से संचालित नहीं हो पा रहा है। सिग्नल की मरम्मत के लिए निगम की ओर से टेंडर की प्रक्रिया चल रही है और अनुमति मिलने के बाद सिग्नल को सही करवाया जाएगा।

हापुड़ पुलिस ने 4 शातिर चोर किए गिरफ्तार

भाजपा नेता की बंद पड़ी फैक्ट्री और सर्राफ की दुकान में की थी चोरी

हापुड़, करंट क्राइम। थाना देहात पुलिस को सफलता मिली है। जहां पुलिस ने गांव धनौरा स्थित सर्राफ की दुकान और ततारपुर स्थित भाजपा जिला महामंत्री की बंद फैक्ट्री में हुई चोरी का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने 4 शातिर चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी का माल भी बरामद किया गया है।

थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार ने बताया कि उन्होंने अपनी टीम के साथ श्यामपुर फाटक से गांव ततारपुर जाने वाले रास्ते के पास से 4 शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपियों ने 23 नवंबर को भाजपा जिला महामंत्री पुनीत गोयल की गांव ततारपुर मे बंद पड़ी मैसर्स डागा इंडस्ट्रीज में एलईडी, मोटर सिलेंडर, इंवर्टर, दो बैटरी समेत इलेक्ट्रिक सामान चोरी कर लिया था।

इसके अलावा 4 दिसंबर की देर रात को आरोपियों ने स्वर्ग आश्रम रोड स्थित मोहल्ला केशवनगर के रहने वाले नितेश कुमार की गांव धनौरा स्थित श्री गणेश ज्वैलर्स की दुकान का शटर उखाड़कर 250 ग्राम चांदी चोरी कर ले गए थे। उन्होंने बताया कि आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया गया है। थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार ने बताया आरोपियों के नाम अफसार उर्फ सोनू, संजय, गौरव और जीतू गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से चोरी के गहने, इंवर्टर, बैटरी, चाकू और घटना में प्रयुक्त ऑटो बरामद किया है।

बाजार भाव में जमीन खरीदेगा जीडीए हाईटेक सोसायटी के लिए 7 गांवों की 462 हेक्टेयर भूमि

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद के विकास में एक नई कड़ी जोड़ते हुए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) की प्रस्तावित हरनंदीपुरम टाउनशिप योजना पर काम ने रफ्तार पकड़ ली है। जिला प्रशासन और जीडीए की टीम ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए कमर कस ली है। किसानों से होगी बातचीत, बाजार भाव के आधार पर होगी जमीन खरीद

जीडीए के वीसी अतुल वत्स ने जानकारी दी कि योजना के तहत ग्राम मथुरापुर, शमशेर, चम्पतनगर, भनेड़ाखुर्द, नंगला फिरोज मोहनपुर, भोवापुर, शाहपुर निजमोरटा एवं मोरटा में कुल 520 हेक्टेयर भूमि चिह्नित की गई है। इसमें से 462 हेक्टेयर जमीन खरीदी जाएगी।

बैठक में योजना के अंतर्गत आने वाले गांवों की भूमि की दर निर्धारण और क्रय प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की गई। हरनंदीपुरम योजना के नए साल में शुरू होने की उम्मीद है, जो गाजियाबाद को एक नई पहचान और लाखों लोगों को आवासीय सुविधा देने का वादा करती है। डीएम इंद्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में हुई बैठक में जीडीए वीसी अतुल वत्स, सचिव आरके सिंह, एडीएम एलए और एडीएम एफआर समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

शासन का सहयोग और सुनियोजित विकास की ओर कदम

जीडीए वीसी ने बताया कि इस योजना के तहत गाजियाबाद में सुनियोजित विकास को बढ़ावा मिलेगा ।नई टाउनशिप न केवल आधुनिक बुनियादी ढांचे की मिसाल होगी, बल्कि गाजियाबाद के नागरिकों को उनके सपनों का घर भी प्रदान करेगी। 20 साल के लंबे अंतराल के बाद जीडीए इतनी बड़ी आवासीय योजना लेकर आ रहा है, जिससे क्षेत्र में तेजी से शहरीकरण और आर्थिक विकास होगा।

प्राधिकरण के पास पहले से 11 हेक्टेयर भूमि उपलब्ध

शुक्रवार को इस योजना के लिए प्रस्तावित भूमि की पैमाइश होगी और विभिन्न विभागों की जमीन को चिन्हित कर सूची तैयार की जाएगी। इसके बाद संबंधित विभागों से मूल्यांकन कराकर भूमि क्रय प्रक्रिया शुरू होगी। प्राधिकरण के पास पहले से 11 हेक्टेयर भूमि उपलब्ध है, जबकि बाकी भूमि ग्राम सभा और किसानों से खरीदी जाएगी।

क्यों अपने ही थानों में डरते हैं खाकी वाले

पुलिस से सब डरते हैं, पर पुलिस वाले भी कई बार घबरा जाते हैं। यह हम नहीं कह रहे बल्कि पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद सिस्टम के अंतर्गत आने वाले सिटी जोन के कई थानों का हाल बयां कर रहे हैं। थानों में कई- कई थ्री , टू-स्टार और बड़ी संख्या में पुलिस बल वाला स्टाफ है लेकिन फिर भी पुलिस वाले डरते हैं। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सूत्र बता रहे हैं कि कमिश्नरेट के कई थानों में इन दिनों कुत्तों का आतंक है और कुत्तों का पुलिस वालों में इतना डर है कि वह खाली हाथ अपने ही थाने में निकलने से घबराते हैं। उनको डर है कि कहीं वह कुत्तों का शिकार ना हो जाएं। ऐसा हाल कमिश्नरेट सिस्टम के एक दो नहीं बल्कि कई थानों का बताया जा रहा है। सूत्र बताते हैं कि कई थानों में तो बाकायदा डंडा लेकर पुलिस कर्मी निकलते हैं। तो कई बार बाहर से आने वाले लोग और उनके परिवार के लोगों को भी कुत्तों के डर के मारे बिना सुरक्षा के बाहर नहीं आने देते हैं। कई बार थानों से कुत्तों को आउट भी कराया गया, तो निगम से लेकर पीपुल फॉर एनिमल वालों तक शिकायत की गई लेकिन थानों के भीतर से कुत्ते वाला डर खत्म नहीं हो रहा है। सुनने में आया है कि कई पुलिसकर्मियों को यहां मौजूद कुत्ते अपना शिकार भी बन चुके हैं। तो कई पुलिसकर्मी इनसे बेहद प्यार करते हैं और इन्हें खाने से लेकर दूध और अन्य व्यवस्था भी मुहैया करवाते हैं। पुलिस कमिश्नरेट वाले सूत्र बता रहे हैं कि बीते दिनों सिटी के एक थानाक्षेत्र में एक पुलिसकर्मी पर कुत्ते ने हमला बोल दिया था। तो वहीं कई बार कुत्तों वाली फोटो ट्विटर तक पहुंच चुकी है। हालांकि अधिकारियों ने बड़ा एक्शन नहीं लिया पर डॉग वाला मैटर लैटर तक भी आ चुका है। कुल मिलाकर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद सिस्टम में इन दिनों कई कार्यालयों में चर्चा है कि अगर सिटी के इन थानों में जाना हो तो अपने साथ दंडा या सुरक्षा के लिए कुछ समान रखना होगा वरना कुत्ते यहां पुलिसकर्मियों पर अटैक कर देते हैं। पुलिसकर्मियों के बीच डॉग अटैक का इतना डर है कि वह उनके जानकार और बाहर से आने वाले लोगों को भी कई बार कुत्ते के अटैक को लेकर अलर्ट करते हैं। कुल मिलाकर कहा जाए तो नगर निगम से लेकर कई संस्था कुत्तों की देखभाल का दावा करते हैं लेकिन इन दिनों पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद सिस्टम के थानों में जो डॉग को लेकर जो अलर्ट और डॉग अटैक का डर है, उससे कई लोग सहमे हुए हैं। कुल मिलाकर देखना होगा कि आने वाले दिनों में सिटी के थानों से डॉग अटैक का अलर्ट कम होता है या अपने ही थानों में खाकी वाले डरे सहमे बने रहेंगे।

पति ने पत्नी की गला रेतकर की निर्मम हत्या, किसी बात को लेकर हुआ था विवाद

हापुड़, करंट क्राइम। थाना बाबूगढ़ क्षेत्र के गांव मुक्तेश्वरा में शनिवार की सुबह एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की धारदार हथियार से लगा रेतकर हत्या कर और हत्या कर फरार हो गया। हत्या की सूचना मिलने पर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। मौके पर काफी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए और पुलिस मामले की जानकारी दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज जांच शुरू कर दी।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार की सुबह मुक्तेश्वर के रहने वाले रमेश और उसकी पत्नी संगीता के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। लेकिन विवाद इतना बढ़ा कि रमेश ने अपनी पत्नी की गर्दन पर धारदार हथियार से वार कर निर्मम हत्या कर दी। हत्याकांड के बाद आरोपी पति मौके से फरार हो गया। सूचना पर काफी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए और पुलिस को सूचना दी। हत्याकांड की सूचना मिलते ही एएसपी विनीत भटनागर, डीएसपी जितेंद्र शर्मा, थाना प्रभारी विजय गुप्ता पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जानकारी की।

परिवार के लोग गए थे बाहर

पुलिस ने बताया कि कि महिला के 4 बच्चे है। जिनमे 16 वर्षीय लवी, 11 वर्षीय छवि, 8 वर्षीय बेटा वंश और 2 वर्षीय बेटा हर्ष है। घटना के दौरान दोनों बेटियां स्कूल गई थी। वहीं हत्याकांड के समय रमेश के पिता खेत पर गन्ने छिलने गए थे, जबकि उसकी मां विमला घर पर थी जो सही से देख नहीं पाती है और सुन भी नहीं पाती है। हत्याकांड के बाद आरोपी पति मौके से फरार हो गया। सूचना पर काफी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए और पुलिस को सूचना दी।

क्या बोले अफसर

जिले के एएसपी विनीत भटनागर ने बताया कि सूचना के बाद टीम मौके पर पहुंच गई थी। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। किस विवाद को लेकर ये हत्या की गई है, इसकी जानकारी कराई जा रही है। सभी पहलुओं पर जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे अफसर से ठगे 56 लाख रुपये, शेयर बाजार में मुनाफे का झांसा देकर बनाया ठगी का शिकार

नोएडा, करंट क्राइम। शेयर बाजार में मोटा मुनाफा कमाने का झांसा देकर साइबर अपराधियों ने एक रेलवे अधिकारी को 56 लाख 88 हजार रुपये की ठगी का शिकार बना लिया। पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में शिकायत दर्ज कराई है। जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जिले में साइबर क्राइम के बढ़ते मामले पुलिस के लिए चुनौती बनते जा रहे हैं।

कैसे हुआ ठगी का शिकार?

साइबर क्राइम थाने के प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार गौतम ने बताया कि रेलवे अधिकारी अनिल रैना को हाल ही में एक मैसेज मिला था। इस मैसेज में उन्हें शेयर बाजार में निवेश कर भारी मुनाफा कमाने का लालच दिया गया था। आरोपियों ने एक मोबाइल ऐप के माध्यम से उन्हें पैसे निवेश करने को कहा ।शुरूआती दिनों में रैना को छोटे निवेश पर अच्छा रिटर्न दिखाया गया, जिससे उनका विश्वास बढ़ गया। इसके बाद अपराधियों ने उन्हें और अधिक रकम निवेश करने के लिए प्रेरित किया। कई बार में अनिल रैना ने कुल 56 लाख 88 हजार रुपये उन खातों में ट्रांसफर कर दिए, जो साइबर अपराधियों के नियंत्रण में थे।

ऐप पर दिखाया फर्जी मुनाफा

आरोपियों ने मोबाइल ऐप पर निवेश की गई राशि को कई गुना बढ़ाकर दिखाया। ऐप के जरिए ऐसा आभास कराया गया कि उनकी रकम बढ़कर बहुत अधिक हो गई है। लेकिन जब अनिल रैना ने इस धनराशि को निकालने का प्रयास किया तो उनसे और पैसे जमा करने की मांग की गई। इस पर उन्हें ठगी का एहसास हुआ।

पुलिस की जांच शुरू

घटना की सूचना मिलते ही अनिल रैना ने साइबर क्राइम थाने में मामला दर्ज कराया। पुलिस अब उन बैंक खातों और मोबाइल ऐप की जांच कर रही है। जिनका इस्तेमाल अपराधियों ने ठगी के लिए किया। निरीक्षक विजय कुमार गौतम ने बताया कि ठगों ने जिस तकनीक का इस्तेमाल किया है।

समय आ गया है कि अमेरिका कार्रवाई करे

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले को लेकर बोले भारतीय अमेरिकी सांसद

वॉशिगटन । बांग्लादेशमें अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे हमलों के मुद्दे पर अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि अमेरिकी संसद इस मामले पर कार्रवाई करे। शेख हसीना सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद से ही श्री थानेदार लगातार हिंदुओं पर हो रहे हमलों का मुद्दा उठा रहे हैं। गुरुवार को व्हाइट हाउस ने बताया कि राष्ट्रपति जो बाइडन बांग्लादेश की स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं।

भारतीय अमेरिकी सांसद ने दी प्रतिक्रिया

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले पर अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने कहा, भीड़ ने हिंदू मंदिरों को नष्ट कर दिया। अब समय आ गया कि इसपर अमेरिकी संसद और अमेरिकी सरकार कार्रवाई करें। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार को रोकने के लिए हरसंभव उपकरण का अपयोग करने की आवश्यकता है।

बांग्लादेश पर आरोप लगाते हुए थानेदार ने कहा, 1971 में पाकिस्तान से आजादी मिलने के बाद से ही बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा जारी है। हाल ही में हमने देखा कि एक हिंदू पुजारी को गिरफ्तार कर लिया गया और उसके वकील की हत्या कर दी गई।

व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा संचार सलाहकार जॉन किर्बी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेस में कहा, शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश में सुरक्षा स्थिति कठिन हो गई। हम इस चुनौती से निपटने के लिए कानूनी प्रवर्तन और सुरक्षा सेवाओं की की क्षमता बढ़ाने के लिए अंतरिम सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

भारतीय अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने सांसद रूबियो से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, मुख्य रूप से हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के मुद्दे को संबोधित करने का आग्रह किया है।

बता दें कि नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शीर्ष राजनयिक पद के लिए सांसद रूबियो को नामित किया है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर हाल ही में बड़ी संख्या में भारतीय-अमेरिकियों ने मार्च निकाला था।

सऊदी अरब जा रही इंडिगो फ्लाइट की पाकिस्तान में आपात लैंडिंग, मेडिकल इमरजेंसी के चलते लिया गया फैसला

कराची । शनिवार को नई दिल्ली से सऊदी अरब के जेद्दा जा रही इंडिगो की एक फ्लाइट की पाकिस्तान के कराची में आपात लैंडिंग कराई गई। मेडिकल इमरजेंसी के चलते पाकिस्तान के कराची स्थित जिन्ना इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फ्लाइट की आपात लैंडिंग हुई। नागरिक उड्डयन प्राधिकरण से जुड़े लोगों ने बताया कि विमान ने नई दिल्ली से सऊदी अरब के जेद्दा के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन जब विमान पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में था, तभी विमान में सवार एक यात्री की तबीयत बिगड़ गई।

मानवीय आधार पर कराची एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने दी लैंडिंग की इजाजत यात्री की गंभीर स्थिति को देखते हुए विमान के पायलट ने कराची एयरपोर्ट के एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क किया और उन्हें बताया कि ऑक्सीजन देने के बाद भी यात्री की तबीयत में सुधार नहीं हो रहा है। जिसके बाद कराची एयरपोर्ट के ट्रैफिक कंट्रोल ने विमान को मानवीय आधार पर लैंडिंग की अनुमति दे दी। इस दौरान एयरपोर्ट एक मेडिकल इमरजेंसी टीम मौजूद रही, जिसने विमान की आपात लैंडिंग के तुरंत बाद यात्री का इलाज शुरू कर दिया। इसके बाद विमान की आपात स्थिति में कराची में ही लैंडिंग कराई गई। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, जिस यात्री की तबीयत बिगड़ी उनकी उम्र 55 साल है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, इलाज मिलने के बाद जब यात्री की तबीयत में सुधार हुआ तो उसके बाद विमान ने कराची एयरपोर्ट से वापस नई दिल्ली के लिए उड़ान भरी।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति को मार्शल लॉ लगाना पड़ा भारी, संसद में महाभियोग प्रस्ताव पारित

नई दिल्ली । दक्षिण कोरिया की संसद में शनिवार को राष्ट्रपति यून सुक योल के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित हुआ। देश में मार्शल लॉ लगाने के फैसले के बाद से राष्ट्रपति योल विवादों में घिर गए थे। हालांकि, जनता के विरोध और नेशनल असेंबली की कड़ी आलोचना के बाद उन्होंने इसे वापस ले लिया था। बता दें कि दक्षिण कोरिया में मार्शल लॉ केवल लगभग छह घंटे तक लागू रहा।

'एसोसिएटेड प्रेस' की रिपोर्ट के मुताबिक, संसद के इस फैसले से देशभर में लोग खुशी से झूम उठे और उन्होंने इसे लोकतंत्र की बड़ी जीत माना। लोग इसे देश के लोकतांत्रिक इतिहास में एक और महत्वपूर्ण कदम मान रहे हैं। नेशनल असेंबली में महाभियोग प्रस्ताव के समर्थन में 204 वोट पड़े। जबकि 85 सदस्यों ने प्रस्ताव के खिलाफ वोट किया। इस फैसले के बाद यून के राष्ट्रपति पद की शक्तियों पर रोक लग जाएगी। प्रधानमंत्री हान डक-सू उनकी जगह कार्यभार संभालेंगे।

महाभियोग से जुड़े दस्तावेज यून और न्यायालय को सौंपे जाएंगे। इसके बाद न्यायालय को 180 दिनों के भीतर यह तय करना होगा कि यून को राष्ट्रपति पद से बर्खास्त किया जाए या उनकी शक्तियां बहाल की जाएं। अगर यून को पद से हटा दिया जाता है तो साठ दिनों के भीतर उनका उत्तराधिकारी चुनने के लिए राष्ट्रीय चुनाव कराए जाएंगे।

मार्शल लॉ के कारण पहले विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति यून पर महाभियोग लगाने का प्रयास किया था। हालांकि, यह प्रस्ताव विफल हो गया क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी के ज्यादातर सांसदों ने मतदान का बहिष्कार किया था।

देश में महाभियोग के लिए 300 सीटों वाली संसद में 200 वोटों की आवश्यकता थी, लेकिन विपक्ष के पास केवल 192 सीटें थीं। सत्तारूढ़ पार्टी के केवल तीन सांसदों ने वोटिंग में भाग लिया, जिससे प्रस्ताव खारिज हो गया। वहीं नेशनल असेंबली के स्पीकर ने इसे लोकतंत्र के लिए शर्मनाक बताया। संसद में एक बार फिर राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव लाया गया।

ब्रिटिश संसद में भारतीय मूल की सहकर्मी के अपमान का आरोप, तीन सप्ताह के निलंबन की सिफारिश

लंदन । ब्रिटेन की संसद में कंजर्वेटिव पार्टी की एक पीयर को तीन सप्ताह के लिए निलंबित करने और आचरण संबंधी प्रशिक्षण दिए जाने की सिफारिश की गई है। यह सिफारिश इसलिए की गई है क्योंकि हाउस ऑफ लॉर्ड्स की आचरण समिति ने जांच के दौरान पाया कि पीयर ने भारतीय मूल के एक सहकर्मी को लॉर्ड पोपाडोम कहकर उनका अपमान किया। बता दें कि पीयर ब्रिटेन की संसद के उच्च सदन हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्य होते हैं।

आचरण को लेकर सामने आई रिपोर्ट

जानकारी के अनुसार बैरोनेस मेयर के आचरण को लेकर गुरुवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट में हाउस ऑफ लॉर्ड्स में लिबरल डेमोक्रेट्स के उपनेता लॉर्ड ढोलकिया के प्रति उनके आचरण के संबंध में नस्लीय टिप्पणी के साथ उत्पीड़न की शिकायत का जिक्र किया गया

भारतीय मूल के पीयर के अपमान का आरोप

बैरोनेस कैथरीन मेयर पर इस वर्ष की शुरूआत में संसदीय समिति के साथी सदस्य के रूप में रवांडा की यात्रा के दौरान भारतीय मूल के लिबरल डेमोक्रेट लॉर्ड नवनीत ढोलकिया का अपमानजनक तरीके से उल्लेख करने का आरोप लगाया गया था।

इसको लेकर रिपोर्ट में बैरोनेस मेयर को सदन से तीन सप्ताह के लिए निलंबित किए जाने की सिफारिश की गई है।

इसके साथ ही रिपोर्ट में कहा गया कि बैरोनेस मेयर ने दो बार लॉर्ड ढोलकिया को लॉर्ड पोपाडोम कहा, इसके कारण निलंबन की अनुशंसा की गई है।दो बार अपमान करने का आरोप जानकारी के अनुसार फरवरी, 2024 में रवांडा में मानवाधिकारों पर संयुक्त समिति (जेसीएचआर) की यात्रा के दौरान दो अलग-अलग घटनाएं हुई थीं। पहली घटना तब घटी जब यात्रा के दौरान मेयर ने गलती से ढोलकिया को लॉर्ड पोपट कह दिया था।

इसलिए ऐसा कहा जाता है कि उन्होंने तुरंत माफी मांग ली थी और मामला खत्म हो गया था, लेकिन बाद में दौरे पर मौजूद अन्य लोगों ने ढोलकिया को बताया कि उन्होंने टैक्सी में यात्रा के दौरान ढोलकिया को दो बार लॉर्ड पोपाडोम कहा था।

एंटनी ब्लिंकन ने बगदाद में इराकी पीएम से की मुलाकात कहा- सीरिया को आतंकवादियों का गढ़ नहीं बनना चाहिए

वॉशिंगटन । अमेरिका के विदेश सचिव एंटनी ब्लिंकन ने शुक्रवार को बगदाद में इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल सुदानी से मुलाकात की। इस दौरान पड़ोसी देश सीरिया के भविष्य पर बातचीत की।

सीरिया के भविष्य पर बात करने के लिए मुलाकात

सीरिया में राष्ट्रपति बशर अल-असद की सरकार के तख्तापलट के बाद ब्लिंकन की बगदाद यात्रा उनके मध्य पूर्व दौरे का अंतिम पड़ाव था। अमेरिकी विदेश सचिव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, 'इराकी पीएम सुदानी और मैं सीरिया के ताजा घटनाक्रम पर चर्चा करने के लिए मिले। मैंने इराक की सुरक्षा, स्थिरता और संप्रभुता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ब्लिंकन और अल सुदानी ने सीरिया में तानाशाही से लोकतंत्र लाने की आवश्यकता पर चर्चा की, ताकि सभी अल्पसंख्यकों को शामिल किया जा सके और उनकी सुरक्षा की जा सके। सीरिया आंतकवादियों का गढ़ नहीं होना चाहिए यह कहते हुए उन्होंने कहा कि हमने इस क्षेत्र और उससे परे कई देशों की प्रतिबद्धता पर चर्चा की कि सीरिया असद तानाशाही से लोकतंत्र की ओर बढ़ रहा है। यह निश्चित रूप से सीरिया में सभी अल्पसंख्यकों की रक्षा करता है, जिससे एक समावेशी, गैर-सांप्रदायिक सरकार बनती है।

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि यह इराक के लिए अपनी संप्रभुता के साथ-साथ अपनी स्थिरता, सुरक्षा और संभुप्रता को मजबूत करने का समय है।'

दाएश के खात्मे का इराक से ज्यादा...

कई वर्ष पहले इराक और सीरिया में आईएसआईएस (जिसे दाएश के नाम से भी जाना जाता है) द्वारा छेड़ी हुई लड़ाई को सफलतापूर्वक खत्म करने के लिए अमेरिका और इराक द्वारा उठाए संयुक्त कदम पर भी बात की। एंटनी ब्लिंकन ने कहा, 'अमेरिका और इराक ने उस क्षेत्र को छीनने में सफलता हासिल की है।

अमेरिका में कई जगह दिखे रहस्यमयी ड्रोन्स

ट्रंप ने लोगों से कहा- जहां दिखे मार गिराओ

नईदिल्ली । अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश के विभिन्न हिस्सों में दिखाई दे रहे रहस्यमयी ड्रोन्स को 'मार गिराने' का आह्वान किया है। दरअसल सबसे पहले ये ड्रोन्स न्यू जर्सी में दिखाई दिए थे और उसके बाद से देश के विभिन्न हिस्सों में ये दिख चुके हैं। संघीय सरकार और व्हाइट हाउस ने कहा है कि इन ड्रोन्स से राष्ट्रीय सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है और न ही इसमें किसी विदेशी ताकत का हाथ होने के सबूत मिले हैं। हालांकि अभी इनकी जांच चल रही है।

ट्रंप ने कहा- मार गिराओ

इस बीच नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि 'पूरे देश में रहस्यमयी ड्रोन्स देखे गए हैं। क्या सरकार की जानकारी के बिना कुछ ऐसा हो सकता है? मुझे ऐसा नहीं लगता।' ट्रंप ने सरकार को संबोधित करते हुए कहा कि लोगों को अभी बता दें वरना लोग उन्हें मार गिराएं।' इस पोस्ट के अंत में डोनाल्ड ट्रंप ने अपने हस्ताक्षर भी किए हैं।

होमलैंड सुरक्षा विभाग और ऋइक ड्रोन्स दिखने की इन घटनाओं की जांच कर रहे हैं। साथ ही राज्य और स्थानीय कानून प्रवर्तन भी इसके लिए मिलकर काम कर रही हैं। व्हाइट हाउस से जारी बयान में कहा गया है कि तस्वीरों को देखकर पता चलता है कि ये मानवयुक्त विमान हैं, जिन्हें वैध रूप से संचालित किया जा रहा है। हालांकि अभी तक किसी भी प्रतिबंधित क्षेत्र में ये ड्रोन्स नहीं दिखाई दिए हैं।

सीनेटर्स ने एफबीआई को लिखी चिट्ठी

सीनेटर कर्स्टन गिलिब्रैंड, चक शूमर और कोरी बुकर और एंडी किम ने डीएचएस, एफबीआई और संघीय उड्डयन प्रशासन को एक पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने कहा कि 'नवंबर के अंत से, न्यूयॉर्क और उत्तरी न्यू जर्सी में लोगों ने रात में बिना किसी कारण के ड्रोन देखे जाने की कई घटनाओं की सूचना दी है।

अमेरिकी सांसदों ने एपल-गूगल के सीईओ को लिखी चिट्ठी अगले हफ्ते तक एप स्टोर से टिकटॉक हटाने के लिए कहा

नईदिल्ली । भारतीय-अमेरिकी राजा कृष्णमूर्ति समेत दो अमेरिकी सांसदों ने एपल और गूगल से अगले हफ्ते अपने एप स्टोर से टिकटॉक हटाने के लिए कहा। अप्रैल में राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा हस्ताक्षरित एक विधेयक को कानून में बदल दिया गया था, जिसके तहत चीन के बाइटडांस (टिकटॉक का मालिक) को 19 जनवरी को अमेरिकी प्रतिबंध का सामना करना पड़ेगा।

अमेरिकी सांसद जॉन मूलेनार और राजा कृष्णमूर्ति ने शुक्रवार को एपल के सीईओ टिम कुक और गूगल सीईओ सुंदर पिचाई को चिट्ठी लिखी। उन्होंने कुक और पिचाई से 19 जनवरी तक अपने प्लेस्टोर से टिकटॉक को हटाने की तैयारी करने को कहा। चिट्ठी में उन्होंने टिकटॉक के सीईओ शू जी च्यू से तुरंत एक विनिवेश का प्रस्ताव देने को कहा, जिसे वे स्वीकार कर सकें।

ये तीनों चिट्ठियां डीसी सर्किट कोर्ट की राय के बाद आई हैं, इसमें अमेरिकियों को फॉरेन एडवायजरी कंट्रोल्ड एप्लिकेशन एक्ट से बचाने वाले अधिनियम को बरकरार रखा गया। सांसदों ने कुक और पिचाई से कहा, आज हमने टिकटॉक को एक पत्र भेजा। हमने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस ने कंपनी को कानून का पालन करने और अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करने वाले विनिवेश के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए पर्याप्त समय - 233 दिन दिया है।

उन्होंने आगे लिखा, जैसा कि आप जानते हैं एक योग्य विनिवेश के बिना अधिनियम ऐसे विदेशी विरोधी नियंत्रित एप्लिकेशन को मार्केटप्लेस के माध्यम से सेवाएं प्रदान करना गैरकानूनी बनाता है। अमेरिकी कानून के तहत (एपल और गूगल) को यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने होंगे कि वह 19 जनवरी तक इसका पूरी तरह से अनुपालन कर सके।भारत में बैन है टिकटॉक बता दें कि टिकटॉक को कई देशों ने बैन कर दिया है। टिकटॉक को बैन करने के मामले में भारत सबसे ऊपर आता है। भारत ने जून 2020 में राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए टिकटॉक के साथ 58 एप्स को बैन कर दिया था।

यात्रा के दौरान पूर्व अमेरिकी हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी को लगी चोट, अस्पताल में चल रहा है इलाज

नई दिल्ली । पूर्व अमेरिकी हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी को लक्जमबर्ग की आधिकारिक यात्रा के दौरान चोट लग गई। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। पेलोसी के प्रवक्ता ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। वह बैटल ऑफ द बुल्ज की 80वी वर्षगांठ मनाने के लिए कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल के साथ यात्रा कर रही थीं। बता दें कि बैटल ऑफ बुल्ज द्वितीय विश्व युद्ध का एपिसोड है। यह जर्मन आक्रमण के परिणामस्वरूप शुरू हुआ और गठबंधन बलों की जीत के साथ समाप्त हुआ।

लक्जमबर्ग की यात्रा के दौरान लगी चोट

नैंसी पेलोसी के प्रवक्ता इयान क्रैगर ने कहा, बैटल ऑफ द बुल्ज की 80वीं वर्षगांठ मनाने के लिए लक्जमबर्ग में एक कांग्रेस प्रतिनिमंडल के साथ यात्रा के दौरान स्पीकर एमेरिटा नैन्सी पेलोसी को चोट लग गई। उन्हें फिलहाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनका इलाज जारी है। उन्होंने चोट के कारण बाकी कार्यक्रमों में शामिल न होने पर दुख जताया।

प्रवक्ता ने आगे कहा, स्पीकर एमेरिटा नैन्सी पेलोसी डॉक्टरों से इलाज करवा रही हैं। उन्होंने काम करना जारी रखा है। उन्हें इस बात का दुख है कि वह सैनिकों के साहस का सम्मान करने के लिए शेष सीओडीईएल (उडऊएछ) कार्यक्रमों में भाग लेने में असमर्थ है। नैंसी पेलोसी ने अपना आभार व्यक्त करते हुए अमेरिकी दिग्गजों का धन्यवाद किया।

प्रवक्ता ने अपने बयान में आगे कहा, स्पीकर एमेरिटा पेलोसी ने हमारे दिग्गजों का धन्यवाद किया। उन्होंने द्वितीय विश्वयुद्ध में यूरोप में शांति लाने में दिग्गजों की भूमिका के लिए लक्जमबर्ग और बास्टोग्ने के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

नैंसी पेलोसी को प्रतिनिधिमंडल के साथ यात्रा करने के लिए व्यक्तिगत और आधिकारिक रूप से सम्मानित किया गया था।

इन्दिरापुरम पार्षद प्रीति जैन ने सफाई कर्मचारियों को किया सम्मानित

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। इंदिरापुरम जीडीए से हैंडओवर होने के बाद नगर निगम धीरे-धीरे अपनी सुविधा देना शुरू कर दी है। इसी कड़ी के चलते शनिवार को इंदिरापुरम वार्ड 99 में नगर निगम की डोर से डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन के लिए गाड़ी पहुंची। क्षेत्रीय पार्षद प्रीति जैन व पूर्व पार्षद अभिनव जैन ने स्कूटी पर सवार होकर डोर टू डोर कलेक्शन गाड़ियों को वार्ड की लोकेशन दिखाई।

इलाके की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने में योगदान देने वाले सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर पार्षद प्रीति जैन ने कहा कि वह सफाई कर्मचारियों की कर्मठता की वजह से ही इलाके को पूरे साल साफ सुथरा रख पाई हैं। सफाई कर्मचारी भी अपना योगदान बेहतर दे रहे है। जिससे आम लोगों को किसी भी प्रकार की तकलीफ नहीं होगी। उन्होंने कहा कि कुछ इलाकों से यह शिकायत आई है कि नालियों की सफाई ठीक ढंग से नही हो रही है। उन्होंने निरीक्षक व अन्य कर्मचारियों से कहा कि लोगों की समस्या को देखते हुए वह कार्य करें, जिससे लोगों का समर्थन भी मिले।

नगर निगम धीरे-धीरे इंदिरापुरम का हैंडओवर ले रहा है। वैभव खंड वार्ड 99 मे इस श्रृंखला के अंदर शनिवार को नगर निगम ने कुछ और गाड़ियां कूड़ा कलेक्शन के लिए भेजी गई है। शनिवार को 6 सोसाइटीयो में गए व उनकी लोकेशन दिखाई।

कश्मीरी युवा आदान प्रदान कार्यक्रम का हुआ समापन

एनडीआरएफ गाजियाबाद से सुनहरी यादें लेकर विदा हुए कश्मीरी युवा

गाजियाबाद करंट क्राइम। एनडीआरएफ गाजियाबाद में दिनांक 09 से 14 दिसंबर 2024 तक नेहरू युवा केंद्र द्वारा आयोजित किये जा रहे कश्मीरी युवा आदान प्रदान कार्यक्रम का शनिवार को समापन हुआ। समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एनडीआरएफ कमाण्डेंट प्रवीण कुमार तिवारी उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम में कश्मीर के 6 जनपदों में अनंतनाग, कुपवाड़ा, बारामुला, बडगाम, श्रीनगर, पुलवामा सहित 6 जिलों के 120 युवा युवतियों सहित 12 युवा नेता कुल 132 युवाओं ने भाग लिया। छह दिन तक चले इस कार्यक्रम में युवाओ को दिल्ली एनसीआर में भारत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों का भ्रमण भी करवाया गया। भ्रमण के दौरान युवाओं ने भरपूर लुफ्त उठाया तथा तमाम सुनहरी यादों को सजोंया।

युवाओं ने कश्मीर से लाये गये अपने मशहूर सामान तथा खाद्य व्यंजनों के स्टॉल भी लगाये गये जिसे वाहिनी में उपस्थित परिवार सदस्यों ने जमकर खरीददारी भी की। कश्मीरी युवाओं के लिए वाहिनी कैम्पस में मिलेट मेले का भी आयोजन भी करवाया गया साथ ही इनके लिए विशेष रूप से वाहिनी कैम्पस में किए जा रहे वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन के बारे में भी नरेश कुमार नामदेव, सहायक सेनानी द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई कि किस प्रकार वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन से ऑर्गेनिक शहद निकाल कर अपना व्यवसाय किया जा सकता है।

इस कार्यक्रम की थीम -वतन को जानो, के तहत युवा प्रतिभागी एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को आत्मसात कर विकसित भारत के निर्माण में योगदान के लिए प्रेरित हो रहे है। कश्मीरी युवाओं ने शनिवार के दिन एन.डी.आर.एफ. कैम्प परिसर में ही एक पेड़ माँ के नाम से पौधा रोपण भी किया।

खेल प्रतियोगिताओं में बच्चों ने दिखाया दम-खम

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। इंदिरापुरम स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगित का आयोजन दिल्ली के राष्ट्रमंडल खेल गांव परिसर में किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी हाउसों के विद्यार्थी पदाधिकारी ने मार्च पास्ट करते हुए, मुख्य अतिथि को सलामी दी और विद्यालय का झंडा आरोहण करते हुए, मशाल जलाकर खेलों का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा विद्यालय के विभिन्न हाउसेस के अंतर्गत तरह -तरह की खेल प्रतियोगिताएं , जैसे पिरामिड, बैलून ,मिक्सड , बैंबू, हर्डल ,रिले आदि दौड़ शामिल थे एवं योगा का बेहगयान प्रदर्शन बच्चों द्वारा किया गया। बच्चों ने इलास्टिक बैंड के साथ तरह-तरह के आकारों का गठन किया और बच्चों के अभिभावकों के लिए भी तरह-तरह के आकर्षक खेल थे। मुख्य अतिथि के सत्यपाल सिंह पैरा एथलीट कोच , अंकुर धर्मा पैरा एथलीट, संचिता तिवारी, शालिनी सिंह मौके पर मौजूद रहे। इस अवसर पर इंदिरापुरम ग्रुप निदेशिका रीटा सिंह ने विद्यार्थियों के जोश को देखते हुए कहा कि विद्यालय सिर्फ पढ़ाई को ही नहीं अपितु खेल- कूद और अन्य गतिविधियों को भी बराबर महत्व देता है।

बढ़ती ठंड में डासना जेल में हैल्प एशियन फाउंडेशन ने बांटे कंबल, कैदियों के चेहरों पर आई मुस्कान

गाजियाबाद करंट क्राइम। ठंड के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए हैल्प एशियन फाउंडेशन ने एक सराहनीय पहल करते हुए गाजियाबाद की डासना जेल में बंदियों को कंबल वितरित किए। इस मानवीय कार्य को संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष शकील अहमद के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संस्था के सदस्यों और मुख्य सहयोगी सालिम कुरैशी ने विशेष योगदान दिया। इस आयोजन में जेल अधीक्षक सीताराम शर्मा, जेलर आलोक शुक्ला, डिप्टी जेलर बृजेश पांडेय, अरविंद चौहान, श्रीमती शिवानी और श्रीमती कुंती ने अपनी गरिमामय उपस्थिति से कार्यक्रम को सफल बनाया। जेल में बंदियों ने तालियों की गूंज के साथ संस्था और इसके सदस्यों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

संस्था के संरक्षक पंडित प्रदीप शर्मा ने कहा कि समाज सेवा के जरिए इंसानियत को बढ़ावा देना ही हमारा मुख्य उद्देश्य है। इस मौके पर राष्ट्रीय सचिव चौधरी अफसर, राष्ट्रीय महासचिव अब्दुल सलाम, महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रुकैय्या चौधरी, राष्ट्रीय संयुक्त सचिव शाहेमीर चौधरी, गौतमबुद्धनगर के जिला उपाध्यक्ष राजा भईया, गाजियाबाद के जिला उपाध्यक्ष रवि कुमार, यूथ विंग के जिला अध्यक्ष आजाद सैय्यद, धौलाना-हापुड़ प्रभारी मोहित सांडिल्य, श्रवण कुमार शर्मा, आसिफ अली, मोहम्मद आमिर और इरफान अली भी उपस्थित रहे।

बंदियों ने संस्था के इस प्रयास को सराहते हुए धन्यवाद व्यक्त किया। कंबल मिलने से उनके चेहरों पर मुस्कान देखने को मिली, जो इस आयोजन की सबसे बड़ी सफलता थी। कार्यक्रम के अंत में चौधरी अफसर ने कहा, हमारा उद्देश्य समाज के हर वर्ग तक मदद पहुंचाना है। ठंड में यह छोटी सी मदद उनके जीवन में राहत लाएगी।

सरकारी अस्पताल में भर्ती होने वाले हर तीसरे बच्चे को निमोनिया के लक्षण

बाल रोग विशेषज्ञ की ओपीडी में बुखार, खांसी, सांस के मरीजों की संख्या बढ़ी

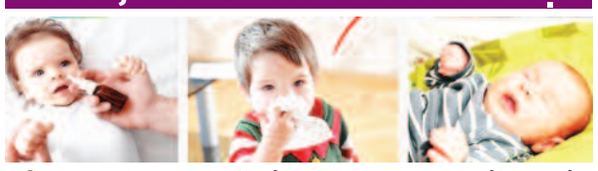

गाजियाबाद करंट क्राइम। सर्दी बढ़ने से बच्चों में निमोनिया की बीमारी बढ़ रही है। सरकारी अस्पताल में भर्ती हो रहे हर तीसरे बच्चे को निमोनिया के लक्षण मिल रहे हैं। हालांकि बाल रोग की ओपीडी में बच्चों में बुखार, खांसी, नजला, जुकाम और सांस की समस्या देखने को मिल रही है। ज्यादातर बच्चों को ओपीडी से ही इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। लेकिन सर्द मौसम में बच्चा वार्ड फुल चल रहा है।

ठंड के कारण अधिकतम और न्यूनतम पारा लुढ़कने से लोगों की परेशानी बढ़ी हैं। ठंड और गलन से हर कोई बेहाल है। सबसे ज्यादा असर बच्चों पर पड़ रहा है। एमएमजी अस्पताल में शनिवार को 1708 मरीजों का पंजीकरण हुआ। इनमें से 281 बच्चे शामिल रहे। जिला एमएमजी अस्पताल में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ विपिन उपाध्याय की ओपीडी में ठंड की चपेट में आने वाले बच्चों की संख्या में इजाफा हो रहा है। खांसी, जुकाम, बुखार के बच्चों को ओपीडी से ही इलाज दिया जा रहा है। लेकिन सांस के तकलीफ के बच्चों को भर्ती किया जा रहा है। अस्पताल में भर्ती होने वाले हर तीसरे बच्चे में निमोनिया के लक्षण मिल रहे हैं। तीन से चार दिन के उपचार से बच्चों को आराम मिल रहा है। शनिवार को अस्पताल में निमोनिया से पीड़ित तीन महीने का बच्चा अब्दुल्ला, एक साल की नीशू और चार साल की बच्ची मुस्कान को भर्ती किया गया। इसके अलावा इमरजेंसी में विजयनगर की पांच महीने की बच्ची अनुष्का को भर्ती किया गया।

आभार

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। शनिवार को महानगर उद्योग व्यापार मंडल गाजियाबाद की ओर से पुलिस कमिश्नर अजय मिश्र से घंटाघर के बंद कट को खोले जाने का अनुरोध किया गया था। जिस पर पुलिस कमिश्नर ने त्वरित एक्शन लेते हुए कट को खोले जाने के आदेश दिये। व्यापारियों की मांग को पूरा किये जाने के बाद महानगर उद्योग व्यापार मंडल गाजियाबाद के पदाधिकारियों ने पुलिस कमिश्नर अजय मिश्र का आभार व्यक्त किया।

पार्षद संजय सिंह ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। इंदिरापुरम शिप्रासन सिटी में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता प्रतिबिंब 2024 के अंतर्गत क्रिकेट का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सेंट्रल लीजेंड टीम विजयी रही। पार्षद संजय सिंह ने खिलाड़ियों को सम्मानित किया और कहा इंदिरापुरम शिप्रा सनसिटी शिव मंदिर मैदान को बच्चों के खेलने लायक बनाया गया है। जिसमें आए दिन कोई ना कोई खेल आयोजित होता ही रहता है। मैदान की देखरेख के लिए कई कर्मचारी है। इस मौके पर एसएसएओए अध्यक्ष आरएन राय, उपाध्यक्ष अंशुमान सिंह, कोषाध्यक्ष राकेश राय, सहसचिव रंजन ठाकुर, सदस्य राजीव श्रीवास्तव, सुशील चौधरी आदि लोग उपस्थित रहे।

मकान का ताला तोड़कर कैश और जेवर चोरी, शादी में गया था परिवार

मोदीनगर (करंट क्राइम)। मोदीनगर में टाईप थ्री कॉलोनी में बदमाशों ने एक मकान निशाना बनाया। चोरों ने ताला तोड़कर 50 हजार रुपए की नकदी और सोने-चांदी के जेवरात चोरी करके ले गए। वारदात के समय परिवार एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए बाहर गया हुआ था। पीड़ित ने इस बारे में मोदीनगर थाने में तहरीर दी है। आयुध निमार्णी फैक्ट्री परिसर में टाईप थ्री कॉलोनी में अरुण कुमार परिवार सहित रहते है। वह परिवार सहित शादी समारोह में शामिल होने रिश्तेदारी में गए हुए थे। सुबह पड़ोसियों ने अरुण कुमार को फोन पर सूचना दी कि मकान का ताला टूटा हुआ है। सूचना मिलने के बाद वह अपने घर आए। अरुण कुमार ने बताया कि बदमाश घर का ताला तोड़कर अलमारी से 50 हजार रुपए की नकदी, चार लाख रुपए की कीमत से ज्यादा के सोने-चांदी के जेवरात और अन्य कीमती सामान भी चोरी करके ले गए। पीड़ित ने इस बारे में मुरादनगर थाने में तहरीर दी है। एसीपी ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्जकर जल्द घटना का खुलासा कर दिया जाएगा।

वीवीआईपी ने ग्रेटर नोएडा में उपलब्ध कराया खिलाड़ियों के लिए शानदार मैदान

गाजियाबाद करंट क्राइम। वेटरन क्रिकेट एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीण त्यागी ने अपने नए प्रोजेक्ट वीवीआईपी एड्रेस सेक्टर 12 ग्रेटर नोएडा में खिलाड़ियों के लिए बाक्स क्रिकेट ग्राउण्ड की सुविधा प्रदान की है। वेटरन क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारी रविन्द्र त्यागी ने इस क्रिकेट मैदान का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ग्रेटर नोएडा में प्रवीण त्यागी ने नया हाउसिंग प्रोजेक्ट स्टार्ट किया है और अब विश्व स्तर पर बॉक्स क्रिकेट का बड़ा चलन हो रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए उन्होंने ये बाक्स क्रिकेट गाउण्ड बनाया है। अभी तो सिर्फ यह सैम्पल बॉक्स क्रिकेट गाउण्ड है। फाईनल प्लान बहुत खूबसूरत है और इस सोसाइटी में आने वाले लोग इस मैदान का भरपूर आनंद लेंगे। गौरतलब है कि प्रवीण त्यागी क्रिकेट से जुड़े हैं और वीवीआईपी ग्रुप को उनका बड़ा बेटा विभोर त्यागी देखते हैं। वह भी क्रि केट प्रेमी है और वीवीआईपी ग्रुप की खास बात है कि इनके सभी हाउसिंग प्रोजेक्ट में क्रिकेट गाउण्ड जरूर होता है। ग्रेटर नोएडा में एचपीएस ग्रीन फार्म हाऊस प्रोजेक्ट था और वहां भी सबसे पहले क्रिकेट का मैदान बनाया गया। दूसरा प्रोजेक्ट राजनगर एक्सटेंशन में चला और यहां का क्रिकेट मैदान ही राजनगर एक्सटेंशन की पहचान बना है।

नमो भारत से दिल्ली टू मेरठ सिर्फ इतने मिनट में, इन दो स्टेशनों के बीच ट्रायल रन शुरू

गाजियाबाद करंट क्राइम। नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एनसीआरटीसी) की ओर से दिल्ली-गाजियाबद-मेरठ रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) कॉरिडोर पर ट्रायल रन शुरू करने का ऐलान कर दिया गया है। यह ट्रायल रन न्यू अशोक नगर और साहिबाबाद स्टेशन के बीच शुरू होगा। दोनों स्टेशनों के बीच प्रोजेक्ट का काम लगभग पूरा होने वाला है। जनवरी 2025 तक आरआरटीएस कॉरिडोर का यह स्ट्रेच शुरू होने की संभावना है। एनसीआरटीसी के सूत्रों के मुताबिक इस समय सराय काले खां से न्यू अशोक नगर स्टेशन के बीच ट्रैक बिछाने का काम चल रहा है। यह काम आखिरी चरण में है। एक बार यह काम पूरा हो गया तो इस सेक्शन पर ट्रायल रन शुरू हो जाएगा।

सराय काले खां स्टेशन पर 1200 वाहनों की पार्किंग के लिए भी जगह तैयार की गई है। यात्रियों को सुविधाएं मिले, एनसीआरटीसी इसको लेकर काम कर रहा है। न्यू अशोक नगर और साहिबाबाद स्टेशन के बीच ट्रायल रन शुरू होने से इस ऑपरेशनल कॉरिडोर की लंबाई 42किमी से बढ़कर 54 किमी तक हो जाएगी।

दबंगों ने महिला के मुंह पर थूका, डीजे बंद करने को लेकर हुआ विवाद

दूसरे समुदाय के परिवार के खिलाफ केस दर्ज

मोदीनगर (करंट क्राइम)। मोदीनगर थानाक्षेत्र के गांव कादराबाद में डीजे बंद करने को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि दबंग ने एक महिला के मुंह पर थूक दिया और जमकर मारपीट की। मामला अलग-अलग समुदाय से होने के कारण तनाव बना हुआ है।

महिला ने इस बारे में थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव कादराबाद निवासी महिला सरोज देवी अपने पति के साथ रहती है। उनके पति काफी समय से बीमार चल रहे हैं। महिला का आरोप है कि पड़ोस में दूसरे समुदाय का परिवार रहता है। वह तेज आवाज में डीजे बजाते है। गुरुवार शाम को जब डीजे बंद करने के लिए कहा तो विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने महिला के साथ मारपीट की और उनके मुंह पर थूक दिया। महिला ने इस बारे में मोदीनगर थाने में तहरीर दी है।

एसीपी मोदीनगर ज्ञानप्रकाश राय का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कृष्णाकुंज से बिजली का ट्रांसफार्मर चोरी तीन कॉलोनियों की पावर सप्लाई हुई ठप

नाराज लोगों ने जमकर किया हंगामा

मोदीनगर (करंट क्राइम)। कृष्णाकुंज से 250 केवीए का बिजली का ट्रांसफार्मर चोरी करके ले गए। ट्रांसफार्मर चोरी होने के कारण तीन कॉलोनियों की बिजली आपूर्ति बाधित रही। बिजली आपूर्ति की बहाली की मांग को लेकर कॉलोनियों के लोगों ने प्रदर्शन कर जमकर हंगामा किया। नगर की कृष्णाकुंज कॉलोनी में 250 केवीए का बिजली का ट्रांसफार्मर लगा हुआ है। इस ट्रांसफार्मर पर कृष्णाकुंज,नवाब विहार व इंद्रापुरी कॉलोनी की बिजली आपूर्ति की जाती है। बताया जा रहा है कि देर रात बारह बजे के आसपास अचानक लाइट चली गई। जब शनिवार सुबह तक भी बिजली नहीं आई तो कॉलोनी के लोगों ने इसकी जानकारी दी। जानकारी मिली कि देर रात बदमाश बिजली के ट्रांसफार्मर से बदमाश सामान चोरी करके ले गए है। जिस कारण कृष्णाकुंज,नवाब विहार व इंद्रापुरी कॉलोनी की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। बिजली अधिकारियों द्वारा संतोषजनक जबाव ना देने पर कॉलोनी के लोगों ने जमकर हंगामा किया। उनका आरोप है कि सूचना देने के बाद भी कोई भी कर्मचारी या अधिकारी मौके पर नहीं आया है। हंगामे की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराया। बिजली विभाग के अधिशासी अभियंता ने बताया कि अस्थाई तौर पर ट्राली वाला ट्रांसफार्मर से बिजली आपूर्ति सुचारु करने का प्रयास किया जा रहा है। जल्द ही नया ट्रांसफार्मर लगाया जाएगा।

दैनिक करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। सीजन भले ही वेडिंग का चल रहा है मगर भगवा सियासत वालो के लिए परम सानिध्य का भी यही समय है। संगठन ताजपोशी का समय है और गर्मजोशी से हुई एक मुलाकात का गहरा अर्थ होता है। भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष अजय शर्मा को एक वैवाहिक समारोह में उत्तराखंड प्रदेश संगठन मंत्री अजय जी का सानिध्य प्राप्त हुआ। मुस्कुराहट वाले इस सानिध्य को अजय शर्मा ने फेसबुक पोस्ट बनाया। उनकी यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।